सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 52, नई दिल्ली । शनिवार, 04 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

दि आप अपने सपने साकार नहीं करेंगे तो कोई और खुद के लिए आपको भाड़े पर रख लेगा ।

03 BJP कैंडिडेट रामवीर बिधूड़ी की संपत्ति चार साल में तीन गुणा बढ़ी...

06 छात्र प्रदर्शनों ने खोली अमरीकी पाखंड की पोल

08 जिला कलक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ढिकोला का किया निरीक्षण

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा : युवा, स्कूटी और मोबाइल- घातक कॉम्बिनेशन

सुरक्षा उपकरणों के बिना वाहन चलाना और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करना युवाओं के लिए एक घातक खतरा है

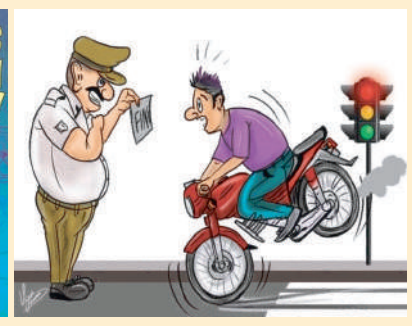

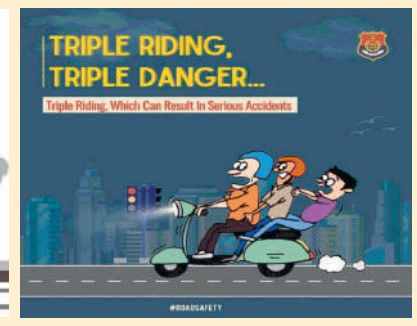

आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, गति और सुविधा का आकर्षण अक्सर सड़कों पर लापरवाह व्यवहार की ओर ले जाता है, खासकर युवाओं में। उचित सुरक्षा गियर के बिना बाइक और स्कूटर चलाना और साथ ही मोबाइल उपकरणों से जुड़ना एक खतरनाक चलन बन गया है, जो न केवल इसमें शामिल व्यक्तियों के लिए बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है। यह लापरवाही एक टिक-टिक करता टाइम बम है, जो विनाशकारी परिणामों के साथ फटने का इंतजार कर रहा है।

हर दिन, अनगिनत युवा सवार बिना हेलमेट, दस्ताने या अन्य सुरक्षात्मक गियर पहने सड़कों पर उतरते हैं, गलती से मानते हैं कि वे अजेय हैं। वे यह समझने में असफल रहते हैं कि एक क्षण की गलती का परिणाम जीवन भर पर पड़ सकता है। किसी दुर्घटना की स्थिति में, सुरक्षा गियर की अनुपस्थिति से गंभीर चोटों या यहां तक कि मृत्यु की संभावना काफी बढ़ जाती है। सुरक्षा सावधानियों की उपेक्षा करने वाले सवारों के बीच सिर में चोटें, फ्रैक्चर और खरोंचें बहुत आम हैं।

इसके अलावा, सवारी करते समय मोबाइल उपकरणों का व्यापक उपयोग खतरों को कई गुना बढ़ा देता है। चाहे वह टेक्स्टिंग हो, कॉल करना हो, या सोशल मीडिया फ़ीड के माध्यम से स्क्रॉल करना हो, ध्यान भटकने से ध्यान सड़क से हट जाता है, प्रतिक्रिया समय और निर्णय लेने की क्षमता ख़राब हो जाती है। एकाग्रता में एक क्षणिक चूक के परिणामस्वरूप भयावह टक्कर हो सकती है, जिससे न केवल सवार बल्कि पैदल चलने वालों और सड़क साझा करने वाले अन्य मोटर चालकों को भी खतरा हो सकता है।

सड़कों पर लापरवाही के परिणाम शारीरिक क्षति से कहीं अधिक दूर तक फैले होते हैं। रोकी जा सकने वाली दुर्घटनाओं के विनाशकारी परिणामों के कारण परिवार टूट जाते हैं, सपने टूट जाते हैं और जिंदगियाँ हमेशा के लिए बदल जाती हैं। जीवित बचे लोगों और खोए हुए लोगों के प्रियजनों पर भावनात्मक आघात को कम करके आंका नहीं जा सकता।

अधिकारियों के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से इस महत्वपूर्ण मुद्दे का समाधान करना अनिवार्य है। लापरवाह व्यवहार को रोकने के लिए हेलमेट न पहनने पर जुर्माना और गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर जुर्माना सहित यातायात कानूनों का सख्त कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, युवाओं को लक्षित करने वाले व्यापक शैक्षिक अभियानों में सुरक्षा गियर के महत्व और विचलित ड्राइविंग के खतरों पर जोर दिया जाना चाहिए।

इसके अलावा, जिम्मेदार सड़क व्यवहार को बढ़ावा देने और किफायती सुरक्षा उपकरणों तक पहुंच प्रदान करने के उद्देश्य से सामुदायिक पहल युवा सवारों के बीच सुरक्षा की संस्कृति पैदा करने में मदद कर सकती है। जागरूकता को बढ़ावा देकर और जवाबदेही की भावना पैदा करके, हम सभी के लिए सुरक्षित सड़कों की दिशा में प्रयास कर सकते हैं।

सड़कों पर लापरवाही, विशेषकर बिना सुरक्षा गियर के बाइक और स्कूटर चलाने वाले और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करने वाले युवाओं की लापरवाही, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है। सक्रिय उपायों और सामूहिक जिम्मेदारी के माध्यम से सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देना व्यक्तियों और अधिकारियों दोनों पर निर्भर है। केवल ठोस प्रयासों से ही हम जोखिमों को कम कर सकते हैं और अपने युवाओं को सड़कों पर लापरवाह व्यवहार के खतरों से बचा सकते हैं।

डॉ अंकुर शरण,
राष्ट्रीय प्रमुख यातायात एवं योजना अधिकारी

वाहनों में अनधिकृत सफेद एलईडी हेडलाइट्स पर सख्त प्रवर्तन...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और नियमों को बनाए रखने के लिए, अधिकारियों ने वाहनों में अनधिकृत सफेद एलईडी हेडलाइट्स के उपयोग के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की है। ऐसी हेडलाइट्स की स्थापना न केवल अवैध है बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती है।

प्रवर्तन एजेंसियों ने इन अनधिकृत हेडलाइट्स के उपयोग में चिंताजनक वृद्धि की सूचना दी है, जो न केवल आने वाले ड्राइवरों को अंधा कर देती हैं बल्कि यातायात नियमों का भी उल्लंघन करती हैं। इन हेडलाइट्स से निकलने वाली तीव्र चमक अस्थायी अंधापन का कारण बन सकती है, जिससे सड़क पर दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

इस खतरनाक प्रवृत्ति से निपटने के लिए, कानून प्रवर्तन अपराधियों पर नकेल कसने के लिए सख्त कदम उठाएगा। अनधिकृत सफेद एलईडी हेडलाइट्स के साथ पकड़े गए वाहन मालिकों को भारी जुर्माना और संभावित लाइसेंस निलंबन सहित गंभीर दंड का सामना करना पड़ेगा।

इसके अतिरिक्त, कार्यशालाओं या व्यक्तियों को इन अवैध हेडलाइट्स को बेचते या स्थापित करते हुए भी कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। अधिकारियों ने जनता से आग्रह किया है कि वे उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अनधिकृत हेडलाइट स्थापना के किसी भी मामले की रिपोर्ट करें।

सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है, और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए वाहन संशोधनों से संबंधित नियमों को लागू करना आवश्यक है। ड्राइवरों को यातायात कानूनों का पालन करने और यह सुनिश्चित करने की याद दिलाई जाती है कि हमारी सड़कों पर सुरक्षा बनाए रखने के लिए उनके वाहन कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन करते हैं। आइए, मिलकर सुरक्षा को प्राथमिकता दें और सभी के लिए सुरक्षित सड़क मार्ग बनाने के लिए नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें।

ट्रैक्टर ट्रॉली: सड़क सुरक्षा का बड़ा खतरा

परिवहन विशेष

सड़क सुरक्षा एक बड़ी मुद्दा है जो हम सभी को साझा करना चाहिए। लेकिन एक बड़ी समस्या जो अभी भी बहुत समय से ध्यान से नहीं देखी जा रही है, वह है ट्रैक्टर ट्रॉली का खतरा।

ट्रैक्टर ट्रॉली अक्सर सड़कों पर एक बड़ा सुरक्षा खतरा बन जाता है। इनकी बड़ी आकार और ब्रेक्स के कारण, ट्रैक्टर ट्रॉली के ड्राइवरों को समय पर रोकने में कठिनाई होती है। इससे उन्हें ब्रेक लगाने की क्षमता में कमी होती है, जिससे उनकी कंट्रोल के लिए संभावनाएं कम हो जाती हैं।

इसके अलावा, कई ट्रैक्टर ट्रॉली अधिक भार को संभालने की क्षमता से वंचित होती हैं, जिससे उन्हें अचानक तोड़-फोड़ होने की संभावना होती है। ऐसे हादसों में ट्रैक्टर ट्रॉली अक्सर अन्य वाहनों के लिए खतरा बन जाती हैं, जिससे सड़क पर गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

दूसरी बड़ी समस्या है गाड़ियों की गुणवत्ता की कमी। अधिकांश ट्रैक्टर ट्रॉली के टायर बुरी गुणवत्ता के होते हैं, जो सड़क पर जानलेवा हो सकते हैं। बुरी गुणवत्ता के टायरों के कारण, ट्रैक्टर ट्रॉली के ड्राइवरों को अपनी गाड़ियों को सही से कंट्रोल करने में मुश्किल हो सकती है, जो दुर्घटना के खतरे को और भी बढ़ा देता है। सरकार को इस मामले पर ध्यान देने की जरूरत है। सड़कों पर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए, उन्हें ट्रैक्टर ट्रॉली की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए कठोर नियम बनाने चाहिए। साथ ही, ट्रैक्टर ट्रॉली के टायरों की गुणवत्ता को भी सुनिश्चित करने के लिए नियम बनाए जाने चाहिए। इस तरह से, हम सभी मिलकर सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने में योगदान कर सकते हैं, और ट्रैक्टर ट्रॉली के साथ होने वाली दुर्घटनाओं को कम कर सकते हैं।

roadsafetysquad@gmail.com

अगर आप चारों धाम में हेलीसेवा बुक करने की सोच रहें हैं तो आपके लिए विशेष रुप से है यह खबर , अवश्य पढ़ें!

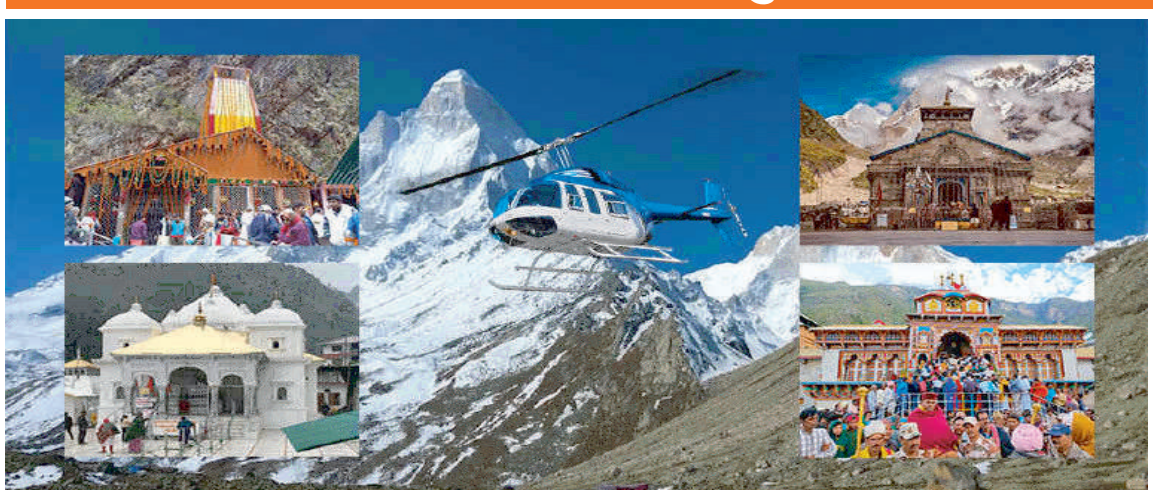

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली। उत्तराखंड में चारों धाम की यात्रा 10 मई 2024, से प्रारंभ होगी। वहीं यात्रा की तैयारीयों को लेकर उत्तराखंड सरकार एक्टीव मोड में है। वहीं इस चारधाम यात्रा की हेली सवाओं के नाम पर चल रही 76 फर्जी वेवसाइटों को एसटीएफ द्वारा गृह मंत्रालय के सहयोग से बंद कराया गया है। जिससे सैकड़ों लोग ठगी का शिकार होने से बच गये है। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी एसटीएफ/साइबर क्राइम ने फर्जी वेवसाइटों को ब्लॉक कर बन्द करने का अभियान शुरू किया गया है। वहीं जिसमें विगत वर्ष 2023 में 64 फर्जी वेवसाइटों को बन्द करवाया गया था । वही इस साल अब तक कुल 12 फर्जी वेवसाइटों को चिह्त कर बन्द करवाया गया। जिससे यह संख्या अब 76 हो गयी है। चारों धाम में इस वर्ष—2024 में उत्तराखण्ड सरकार के युकाडा द्वारा इस वर्ष भी आईआरसीटीसी के साथ अनुबन्ध करवाकर सहायता प्रदान की जायेगी। इस सम्बन्ध में युकाडा द्वारा चारधाम से सम्बन्धित पंजीकरण एवं हेलीसेवा के सम्बन्ध में सभी जानकारियों के साथ विवरणिका तैयार की गयी है। उन्होने बताया कि वर्तमान में साईबर अपराधी आम जनता की गाढी कमाई हडपने हेतु अपराध के नये नये तरीके अपना कर धोखाधडी कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में ठगों के द्वारा हेलीसेवा के नाम पर फर्जी वेवसाईट तैयार कर हेली सेवा बुकिंग के नाम पर सम्पूर्ण भारत के विभिन्न राज्यों में लाखों रुपये की धोखाधडी की जा रही है। वहीं जिसमें आईआरसीटीसी द्वारा अपनी वेवसाईट को चारधाम हेलीसेवा की बुकिंग के लिए अधिकृत किया गया है। इस वेवसाईट के माध्यम से श्रद्धालु अपनी यात्रा हेतु हेली सेवा बुक करा सकते है, कोई भी भुगतान करने से पहले सम्बन्धित भुगतान के माध्यम की जाँच पडताल स्वंय कर सकते है। विगत वर्षों में देखा गया था कि कई साईबर ठगी की शिकायतें साईबर थाने पर प्राप्त हुई थी, जिसमें विभिन्न राज्यों के लोगों के साथ चारधाम यात्रा हेलीकाप्टर बुकिंग सेवा के नाम पर ठगी की गयी थी। उन्होने बताया कि इस प्रकार की ठगी का मुख्य कारण यह था कि लोगों को चार धाम यात्रा की हैली सेवा बुकिंग की आधिकारिक वैब साईट की जानकारी नहीं थी।

संस्कारशाला : बात करने और बहस करने में अंतर है, और इसका हमारे व्यक्तित्व पर प्रभाव : प्रियंका

परिवहन विशेष

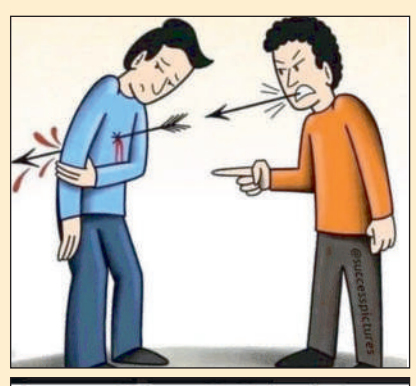

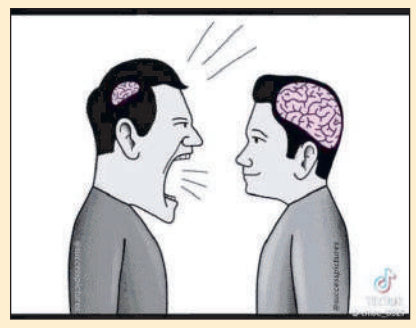

बात करना एक सामान्य संवाद की प्रक्रिया है, जिसमें लोग अपने विचारों और अनुभवों को साझा करते हैं। बातचीत में आमतौर पर सहमति होती है और लोग अपने विचारों को आपस में साझा करते हैं।

विपरीत, बहस करना एक विवादास्पद प्रक्रिया है, जिसमें विभिन्न विचार और पक्षों के बीच मतभेद होते हैं। बहस में लोग अपने पक्ष को साबित करने की कोशिश करते हैं और अक्सर दूसरे की राय को खारिज करते हैं।

बातचीत करने में साथ में समझदारी, सहानुभूति और सम्मान का भाव होता है, जबकि बहस में अक्सर तनाव, आक्रोश और असमंजस का माहौल होता है।

बातचीत करने से हमारा व्यक्तित्व सकारात्मक और समझदार होता है, जबकि बहस करने से हमारा व्यक्तित्व अक्सर आक्रामक और अधिकारी बन जाता है।

इसलिए, हमें बातचीत का प्रयास करना चाहिए, ताकि हमारा व्यक्तित्व समृद्ध और संतुलित रहे, और साथ ही हमारे समाज में सहमति और समर्थन का वातावरण बना रहे।

सड़कों पर लोगों को बात कम और बहस ज्यादा करते हुए देखना दुष्प्रभावित कर सकता है क्योंकि इससे सामाजिक संबंधों में असंतोष और खींचतान का माहौल बनता है। इसलिए, सड़कों पर अधिक बहस करने की जगह, समझदारी से बातचीत करना और सहमति की दिशा में काम करना बेहतर होता है। इससे वातावरण में शांति और समाधान का माहौल बना रहता है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

ब्यूटी ट्रीटमेंट लेना आपकी सेहत को पड़ सकता है भारी, जानिए क्या है ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम आने की खास वजह नस का दबना होता है। बाल वॉश करने के दौरान गर्दन में खिंचाव और सिंक पर सही से गर्दन को सपोर्ट न मिलने के कारण होता है।

बीते साल एक महिला हेयर वॉश के दौरान ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम का शिकार हो गई। हेयर वॉश के दौरान महिला को सिर दर्द, चक्कर और धुंधला दिखाई देने लगा। यह सिर्फ एक मामला नहीं बल्कि ऐसे कई मामले अक्सर सुनने में आते हैं।

बता दें कि पार्लर में ब्यूटी ट्रीटमेंट लेने के दौरान कई महिलाएं सिंड्रोम का शिकार हो गईं या फिर उन्हें किसी वजह से एलर्जी हो गई या पार्लर ट्रीटमेंट गलत होने के कारण स्किन डैमेज हो गई। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी पार्लर सिंड्रोम के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

क्या है ब्यूटी पार्लर सिंड्रोम

साल 1993 में पहली बार अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में ब्यूटी पार्लर सिंड्रोम शब्द का जिक्र किया गया था। इस शब्द का उपयोग उन पांच महिलाओं का अध्ययन करने के बाद किया गया, जिनके अंदर सैलून में शैम्पू सेशन के बाद स्ट्रोक जैसे न्यूरोलॉजिकल सिम्प्टम्स देखने को मिले। इन महिलाओं ने बैलेंस खोना, चेहरा सुन्न होना और चक्कर आने आदि की शिकायत की। इस रिपोर्ट में पांच में से चार महिलाओं को स्ट्रोक हुआ था।

नस दबने से बंद हो जाती है ब्लड की सप्लाई

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम आने की खास वजह नस का दबना होता है। बाल वॉश करने के दौरान गर्दन में खिंचाव और सिंक पर सही से गर्दन को सपोर्ट न मिलने के कारण होता है। दरअसल, जब कहीं की नस दबती है, तो ब्रेन तक ब्लड की सप्लाई सही से नहीं हो पाती है। जिसके कारण यह स्ट्रोक होता है। इसकी वजह तेज सिर दर्द, चक्कर आना, शरीर का कोई हिस्सा सुन्न होना और धुंधला दिखाई देने जैसे लक्षणों के दिखने पर फौरन हॉस्पिटल में दिखाना चाहिए। डॉक्टर के मुताबिक पार्लर आदि में अक्सर लोग मसाज करते हैं। ऐसे में इसका तरीका गलत होने पर यह हड्डी के लिए पीड़ादायक हो सकती है।

इंफेक्शन

कई रिसर्च में यह सामने आ चुका है ब्यूटी सैलून के टूल्स और प्रोडक्ट्स से इंफेक्शन का भी खतरा होता है। जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है। एक सर्वे के मुताबिक एक्ने, रैशेज, वार्ट्स, मोलस्कम इंफेक्शन, ड्राईनेस हो सकता है, यह इंफेक्शन पार्लर से घर तक आ सकता है। वैक्सिंग, थ्रेडिंग, फेशियल और मसाज के बाद मुंहासे निकलना आम बात है। यह एक बैक्टीरियल इंफेक्शन होता है। फेशियल पैक, स्टीम या ब्लीच का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने से स्किन की नमी कम होती है, जो बैक्टीरियल व फंगल इंफेक्शन की वजह बनता है।

महिलाएं बरतें सावधानी

सैलून में सिर धोने या मालिश के दौरान गर्दन में अचानक और अधिक छेड़छाड़ करने से बचना चाहिए। सिर को धोते समय हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। वहीं आपको कोई स्वास्थ्य समस्याएं हैं, तो आपको अधिक सावधान होने की जरूरत है। ब्यूटी सर्विस देते हुए छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

कुछ लोगों की त्वचा और बाल काफी ड्राई होते हैं, तो कुछ लोगों की त्वचा और ऑयली होती है। ऐसे में सबसे पहले स्किन के बारे में समझना जरूरी होता है। वहीं ब्यूटी पार्लर में कोई भी ब्यूटी ट्रीटमेंट लेने से पहले उसके बारे में सारी जानकारी लेनी चाहिए।

क्या थायराइड की वजह से आपका भी वजन तेजी से बढ़ रहा है? इस तरह से करें कंट्रोल

क्या आपका भी वजन तेजी से बढ़ रहा है? कहीं आपको थायराइड तो नहीं है। इन टिप्स की मदद से आप वजन कंट्रोल कर सकते हैं। अगर आप भी थायराइड से पीड़ित है और आपका वजन लगातार बढ़ता है तो आप इन टिप्स की मदद से वजन को काफी कंट्रोल कर सकती हैं।

थायराइड आजकल बहुत आम बीमारी बन गई है। हर दूसरा व्यक्ति इससे पीडित है। यह मेटाबॉलिज्म से जुड़ी एक समस्या है। इसके लक्षण तो कई तरह के होते हैं लेकिन व्यक्ति सबसे ज्यादा बढ़ते वजन का शिकार होता है। थायराइड से पीडित लोगों के लिए वजन कम करना काफी मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी थायराइड से पीड़ित है और आपका वजन लगातार बढ़ता है तो आप इन टिप्स की मदद से वजन को काफी कंट्रोल कर सकती हैं।

थायराइड में इस तरह से करें वजन कंट्रोल

- थायराइड पीड़ित लोगों को चीनी से परहेज करना चाहिए। बहुत अधिक मात्रा में चीनी का सेवन करने से शरीर में सूजन बढ़ सकती है। वहीं मेटाबॉलिज्म पर असर पड़ता है इससे थायराइड हार्मोन का कार्य बाधित होता है।

- डाइट में फाइबर से भरपूर खाद्य पर्दाथ जरुर शामिल करें, इससे पाचन दुरुस्त रहता है और बार-बार भूख लगने की समस्या नहीं होती है। खाना भी आराम से पच जाता है।

- थायराइड मरीजों को डाइट में सेलेनियम युक्त आहार का सेवन करना चाहिए। सेलेनियम शरीर में टीएसएच जनरेट करने के लिए बहुत जरुरी होता है। सेलेनियम शरीर को रेडिकल्स फ्री रखता है, इससे सूजन और वजन को कम किया जा सकता है।

- थायराइड के मरीजों को खाने में आयोडीन की मात्रा का ध्यान रखना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में आयोडीन नहीं मिलने से मेटाबॉलिज्म धीमा होता है। आयोडीन बॉडी में टीएसएच प्रोडक्शन को बढ़ाता है।

- थायराइड के मरीजों को वेट कंट्रोल के लिए प्रतिदिन एक्सरसाइज करना चाहिए। इससे बॉडी से एक्स्ट्रा फैट कम करने में मदद मिलती है।

फ्रूट जूस को करें स्किप, समर डाइट में शामिल करें साबुत फल, एक्सपर्ट ने बताए इसके फायदे

फलों के जूस सस्ते और आसानी से बाजारों में मिल जाते हैं, लेकिन सवाल ये है कि क्या सच में ये एक स्वस्थ विकल्प हैं? पोषण विशेषज्ञ की मानें तो फलों के जूस का सेवन करना उतना भी स्वस्थ नहीं है, जितना लोग समझते हैं। ऐसा क्यों? चलिए आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

गर्मियों का मौसम अपने साथ कई स्वास्थ्य समस्याएं लेकर आता है, इसलिए इस दौरान सेहत का ध्यान रखना जरुरी होता है। मौसमी बीमारियों से बचने के लिए लोगों को अच्छी डाइट लेने की सलाह दी जाती है, जिसमें पोषक तत्वों से भरपूर फल और सब्जियां शामिल हों। हालाँकि, भागदौड़ भरी जिंदगी में डाइट का ध्यान रखना मुश्किल हो जाता है, इसलिए लोग पोषक तत्वों की कमी पूरी करने के लिए फलों के जूस का सेवन करते हैं। फलों के जूस सस्ते और आसानी से बाजारों में मिल जाते हैं, लेकिन सवाल ये है कि क्या सच में ये एक स्वस्थ विकल्प हैं? पोषण विशेषज्ञ की मानें तो फलों के जूस का सेवन करना उतना भी स्वस्थ नहीं है, जितना लोग समझते हैं। ऐसा क्यों? चलिए आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

फलों के जूस में नहीं होते फाइबर- फल फाइबर से भरपूर होते हैं। ये फाइबर जूस निकालने की प्रक्रिया के दौरान फलों से हटा दिए जाते हैं। यह गायब फाइबर चीनी के अवशोषण को धीमा करने और पाचन में सहायता के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में बिना फाइबर के फ्रूट जूस का सेवन करने का कोई फायदा नहीं है। गर्मियों के दिनों में अच्छे पाचन के लिए शरीर को फाइबर से भरपूर खाना चाहिए, ऐसे में अगर आप बिना फाइबर वाले फ्रूट जूस का सेवन करेंगे तो आपको कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

फलों के जूस दांतों के लिए हानिकारक हो सकते हैं- बहुत से फलों का जूस एसिडिक होता है, जो दांतों के लिए हानिकारक होता है। इसी के साथ इनमें प्राकर्तिक शर्करा भी होती है, जो दांतों की सड़न और इनेमल के खराब होने में योगदान दे सकती है। ऐसे में साबुत फलों का सेवन करना ज्यादा लाभकारी होती है।

फलों के जूस के सेवन से रक्त शर्करा में वृद्धि होती है- फाइबर निकलने के बाद फलों के जूस में पोषक तत्व कम हो जाते हैं और सिर्फ चीनी से भरे होते हैं। ऐसे में इनका सेवन करने से अचानक रक्त शर्करा में वृद्धि हो सकती है। इतना ही नहीं फलों के जूस आपके कैलोरी सेवन को बढ़ा देते हैं, जिससे आपका वजन तेजी से बढ़ सकता है। फाइबर सहित सभी पोषण संबंधी लाभों का लाभ उठाने के लिए साबुत फलों का सेवन करें, जो आपको संतुष्ट रखता है और पाचन को नियंत्रित करता है।

सारा अली खान के समर लुक्स से लें इंस्पिरेशन, गर्मियों में आप भी दिखेंगी कूल और कंफर्टेबल

सारा अली खान की गिनती इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेस में होती है, तो फैशनेबल और स्टाइलिश दिखने के साथ अपने कंफर्ट का पूरा ख्याल रखती हैं। ऐसे में आप भी गर्मियों में सारा अली खान के समर लुक से इंस्पिरेशन ले सकती हैं।

अक्सर हम सभी गर्मियों में फैशन और स्टाइलिश दिखने से ज्यादा कंफर्ट चाहते हैं। इसी की वजह से लड़कियां और महिलाएं उन स्टाइल स्टेटमेंट को फॉलो नहीं कर पाती हैं, जो ट्रेंड में चल रहे होते हैं। लेकिन अगर आप अपने समर लुक को कूल और कंफर्टेबल बनाना चाहती हैं, तो आप अभिनेत्री सारा अली खान से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। आप एक्ट्रेस के फैशन टिप्स को अपनाकर इस उमसभरी गर्मी में भी स्टाइलिश लगेंगी।

आपको बता दें कि सारा अली खान की गिनती इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेस में होती है, तो फैशनेबल और स्टाइलिश दिखने के साथ अपने कंफर्ट का पूरा ख्याल रखती हैं। सारा अक्सर सूट पहने नजर आती हैं। वहीं एक्ट्रेस का फैशन सेंस भी यूनिक और स्टाइलिश लगता है। आइए जानते हैं एक्ट्रेस सारा अली खान के समर लुक के बारे में...

कॉटन प्रिंटेड सूट

लड़कियां गर्मियों में कुछ ऐसा पहनना पसंद करती हैं, जिसमें वह स्टाइलिश लगने के साथ कंफर्ट भी फील कर सकें। ऐसे में आप सारा के इस लुक को फॉलो कर सकती हैं। एक्ट्रेस प्रिंटेड कॉटन सूट में नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने मैचिंग दुपट्टा कैरी किया है। जिस पर ब्लैक प्रिंट के साथ बॉर्डर बना है। गर्मियों में कॉटन का पड़ा पहनने के लिए सबसे अच्छा होता है। इसलिए आप एक्ट्रेस सारा अली खान से इंस्पिरेशन ले सकती हैं।

प्रिंटेड कुर्ता और पैंट

एक्ट्रेस का यह लाइट ग्रीन प्रिंटेड सूट समर वाइब्स दे रहा है। इस पर पिंक और ग्रीन कलर के फूलों से प्रिंट किया है। वहीं सूट और पैंट के बॉर्डर पर गोल्डन लेस लगी है। सारा ने इस सूट के साथ झुमके, बिंदी, चूड़ियों और नेचुरल मेकअप किया है। इस लुक में सारा काफी अच्छी लग रही है।

फ्लोरल अनारकली सूट

अगर आप कुछ हल्के प्रिंट वाले अनारकली की तलाश कर रही हैं, तो एक्ट्रेस सारा के इस लुक से टिप्स ले सकती हैं। व्हाइट कलर के सूट पर पिंक और ग्रीन कलर से फूल बने हैं। एक्ट्रेस ने स्लीवलेस सूट के साथ नेक का दुपट्टा कैरी करी किया है।

चिकनकारी सूट

गर्मियों में अक्सर चिकनकारी कुर्ती या कुर्ते में नजर आती हैं। वहीं सारा का यह व्हाइट चिकनकारी कुर्ता और पेंट सेट आप पर भी काफी अच्छा लगेगा। चिकनकारी के साथ डिटेलिंग कुर्ता, पेंट और दुपट्टे पर भी लेस लगाई गई है। वहीं दूसरे चिकनकारी सूट को पिंक और व्हाइट कलर के लहरिया दुप्पटे के साथ कैरी किया। वहीं बॉर्डर पर गोटे वाला काम हो रखा है।

शरारा सूट

लैवेंडर कलर के शरारा सूट में एक्ट्रेस काफी अच्छी लग रही हैं। सादगी के साथ सारा अली इस सूट में काफी स्टाइलिश लग रही हैं। बता दें कि ब्लॉक प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती और शरारा पर सिल्वर गोटा पट्टी से काम हो रखा है। ऐसे में यह शरारा आरामदायक होने के साथ बेहद अच्छा लुक क्रिएट कर रहा है।

गर्मी के कारण बार-बार तनाव बढ़ रहा है, तो चिंता छोड़िए इस थेरेपी की मदद से पाएं छुटाकारा

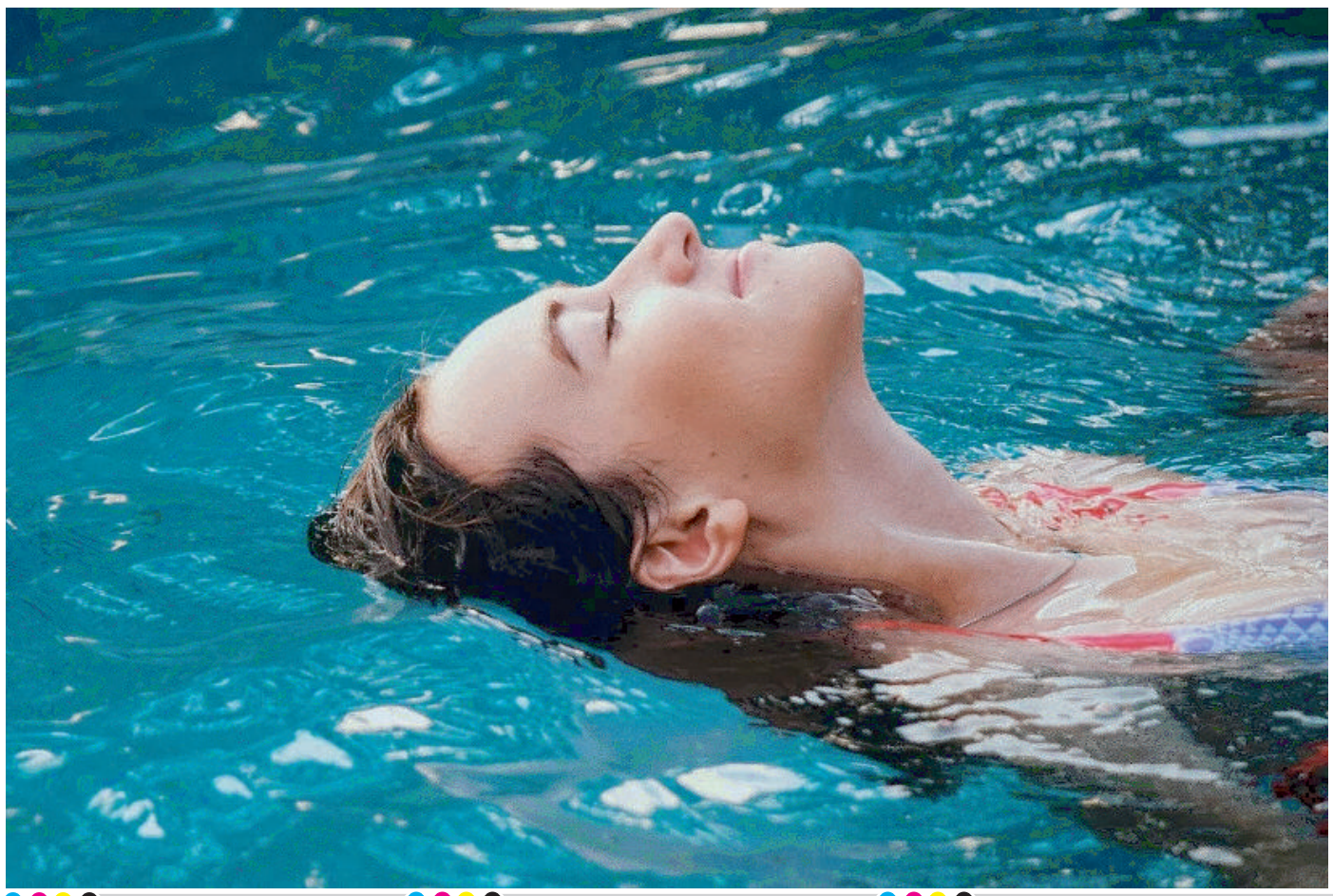

अक्सर गर्मियों में तनाव और सिरदर्द समस्या काफी परेशान करती है तो इस थेरेपी की मदद से आपको काफी राहत मिलेगी। बढ़ती गर्मी के कारण कई बार घपबराहट और बेचैनी का सामना करना पड़ता है। जिससे हम काफी परेशान हो जाते है। लेकिन आप चिंता छोड़कर इस थेरेपी से पाएं निजात।

भागदौड़ भरी जिंदगी और खराब लाइफस्टाइल के चलते तनाव का होना आम है। खासकर गर्मियों में बढ़ता तापमान भी कई बार तनाव की वजह बन सकता है। अगर आपको भी गर्मी के दौरान ऐसी समस्या होती है तो यह लेख आपके लिए है। यहां हम आपको एक ऐसी थेरेपी के बारे में बताने जा रहे हैं जो गर्मी में उत्पन्न होने वाले तनाव को ठंडा करता है। जी हां! हम आपको बताने जा रहे हैं फ्लोट थेरेपी की, जो गर्मियों के दिनों में बढ़ते तापमान के कारण होने वाले तनाव से निजात दिलाने में सहायक होती है।

क्या है फ्लोट थेरेपी

फ्लोट थेरेपी असल में स्विमिंग के फायदों पर आधारित एक थेरेपी है, जिसमें व्यक्ति को फ्लोटिंग टैंक में पीठ के बल तैरना होता है। लेकिन इस थेरेपी में आपको स्विमिंग नहीं करनी होती है, बल्कि पानी से भरे टैंक की सतह पर आराम की अवस्था में स्थिर रहना होता है। इससे व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक थकान दूर होती है और पहले से बेहतर महूसस करता है। फ्लोट थेरेपी से व्यक्ति को कई सारे सेहत लाभ मिलते हैं। चलिए इनके बारे में विस्तार से जानते हैं।

तनाव से छुटकारा

पानी की सतह पर स्थिर अवस्था में देर तक बने रहने से शरीर का तापमान संयमित होता है। वहीं इससे गर्मी में राहत मिलती है और गर्मी के कारण होने वाले तनाव से तुरंत राहत मिलती है। फ्लोटिंग टैंक में लेटने से पूरे शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है। वहीं मस्तिष्क में भी रक्त संचार बेहतर होता है और दिमाग भी अच्छे से कार्य करता है। वहीं तनाव से मुक्ति मिलती है।

बेहतर नींद में सहायक

फ्लोट थेरेपी तनाव से निजात दिलाने में सहायक होती और इससे बेहतर नींद आती है। खासकर अगर सोनो से पहले अगर यह थेरेपी ली जाए तो इससे अच्छी नींद आती है। इसलिए क्योंकि फ्लोट थेरेपी के जरिए मस्तिष्क से शांति की अवस्था में आ जाता है, जिससे आसानी से नींद आ जाती है।

मांसपेशियों के दर्द से राहत

फ्लोट थेरेपी से रक्त संचार बेहतर होता है, इसकी मदद से मांसपेशियों के तनाव और दर्द से राहत मिलती है। इसलिए जो लोग शारीरिक मेहनत का काम अधिक करते हैं उनके लिए यह थेरेपी बेहद लाभकारी साबित हो सकती है। इसकी मदद से मांसपेशियों का तनाव दूर होता है और बॉडी को आराम मिलता है।

दिल की सेहत के लिए लाभकारी

फ्लोट थेरेपी से रक्तचाप और हृदय गति संयमित रहती है। दिल के सेहत के लिए ये काफी लाभकारी हो सकती है। जिन लोगों को दिल संबंधी समस्याएं रहती हैं उनके लिए यह थेरेपी काफी मददगार साबित हो सकती है।

फ्लोट थेरेपी के नुकसान

वैसे तो यह थेरेपी शारीरिक और मानसिक दोनों ही रुप से सेहत के लिए लाभकारी होती है। लेकिन यह जानना भी जरुरी है कि कुछ पारिस्थितियों में इसका अभ्यास नुकसानदेह भी हो सकता है। जैसे कि मिर्गी की समस्या से पीड़ित लोगों को पानी में देर तक रहने से दौरे आ सकते हैं। इसलिए डॉक्ट की सलाह से यह थेरेपी लेनी चाहिए।

स्कूलों की सुरक्षा पर जीरो-टालरेंस नीति, बम के खतरों सहित आपदाओं को लेकर जारी किए गए दिशा-निर्देश

डीओई ने बताया कि उसने स्कूलों के छात्रों और कर्मचारियों के लिए सुरक्षा योजना पर चर्चा करने के लिए पिछले महीने एक आपात बैठक बुलाई थी। मुद्दे पर विभिन्न हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ गहन चर्चा के बाद जारी विभिन्न परिपत्रों के माध्यम से स्कूल सुरक्षा के न्यूनतम मानकों सुरक्षा ऑडिट करने के साथ संभावित आपदाओं की तैयारी के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी संबंधी मेल और फर्जी कॉल के मामले पर शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने दिल्ली हाई कोर्ट में हलफनामा दाखिल करके कहा कि स्कूलों में सुरक्षा के मामलों में जीरा-टालरेंस नीति है।

अदालत में दाखिल स्थिति रिपोर्ट में दिल्ली सरकार ने कहा कि अधिकारी बम खतरों सहित आपदाओं से निपटने के लिए दिशानिर्देशों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। यह भी कहा कि विभिन्न स्कूलों व शैक्षिक संस्थानों को अपनी सुरक्षा और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए कई निर्देश जारी किए हैं।

परिहार्य कारणों से सोमवार के लिए सूचीबद्ध

याचिकाकर्ता अर्पित भार्गव की याचिका पर शुक्रवार को होने वाली सुनवाई न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने अपरिहार्य कारणों से सोमवार के लिए सूचीबद्ध कर दी। स्कूलों में बम की धमकियों को लेकर चिंता जताने वाली एक याचिका पर दिल्ली सरकार के वकील संतोष कुमार त्रिपाठी के माध्यम से दायर स्थिति रिपोर्ट में डीईओ ने कहा कि विभाग ने स्कूलों को बम की धमकियों से निपटने के मुद्दे पर 16 अप्रैल को एक विशिष्ट परिपत्र जारी किया है और एहतियाती उपायों और स्कूल अधिकारियों की भूमिकाओं पर दिशानिर्देश जारी किए।

सुरक्षा योजना चर्चा के लिए आपात बैठक

डीओई ने बताया कि उसने स्कूलों के छात्रों और कर्मचारियों के लिए सुरक्षा योजना पर चर्चा करने के लिए पिछले महीने एक आपात बैठक बुलाई थी। मुद्दे पर विभिन्न हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ गहन चर्चा के बाद जारी विभिन्न परिपत्रों के माध्यम से स्कूल सुरक्षा के न्यूनतम मानकों, सुरक्षा ऑडिट करने के साथ संभावित आपदाओं की तैयारी के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

स्थिति रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सभी स्कूलों के लिए सुरक्षा के मुद्दे पर मासिक रिपोर्ट भरने के लिए डीओई वेबसाइट पर एक लिंक के साथ एक आनलाइन माड्यूल भी है। दिल्ली पुलिस ने पिछले साल अदालत को बताया था कि उसने स्कूलों में बम की धमकी वाली कॉल्स से निपटने के साथ-साथ फर्जी कॉल के मामले में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के लिए एक कार्य योजना तैयार की है।

माता-पिता बच्चों को करें जागरुक

बम की धमकियों के संबंध में डीओई ने कहा कि स्कूलों के प्रमुखों को निर्देश दिया गया है कि वे माता-पिता को जागरूक करें कि वह अपने बच्चों को समझाएं कि वे किसी भी कारण कारण से कोई झूठी धमकी भरी कॉल नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इससे न केवल उसकी पढ़ाई प्रभावित हो सकती है, बल्कि पुलिस कार्रवाई के साथ निलंबन व निष्कासन भी हो सकता है। इसके अलावा स्कूलों के प्रमुखों को नियमित आधार पर छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षित निकासी के लिए माक ड्रिल आयोजित करने के लिए कहा गया है।

दिल्ली कांग्रेस में इस्तीफों के घटनाक्रम से आम आदमी पार्टी तनाव में, अपने नेताओं को एकजुट रहने का दे रही संदेश

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से अरविंदर सिंह लवली के बाद दो अन्य पूर्व विधायकों ने इस्तीफा दिया है। इसके अलावा अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी पद छोड़ दिया है। कहा जा रहा है कि अभी कुछ और नेता अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। ये ऐसी बाते हैं जो आप का ध्यान खींचती हैं। कांग्रेस में इस्तीफों को वह उनका अंदरूनी मामला बता चुकी है।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए चल रहे प्रचार के बीच कांग्रेस में इस्तीफों के घटनाक्रम से आम आदमी पार्टी भी तनाव में है। इसे लेकर आप सतर्क हो गई है। आप अपने नेताओं और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को किसी भी परिस्थिति में एकजुट रहने का संदेश दे रही है। साथ ही नजर भी रख रही है।

कांग्रेस के घटनाक्रम को आप किसी साजिश का हिस्सा भी मान रही है। यही कारण है कि आप इस मामले को लेकर अधिक संवेदनशील हो गई है। आप अपने दम पर अपने हिस्से की चारों सीटों पर पूरा माहौल बना रही है।

कांग्रेस में और नेता दे सकते हैं इस्तीफा

बता दें कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से अरविंदर सिंह लवली के बाद दो अन्य पूर्व विधायकों ने इस्तीफा दिया है। इसके अलावा अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी पद छोड़ दिया है। कहा जा रहा है कि अभी कुछ और नेता अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। ये ऐसी बाते हैं जो आप का ध्यान खींचती हैं। हालांकि सीधे तौर पर देखा जाए तो आप का इस मामले से कोई लेना देना नहीं है। कांग्रेस में इस्तीफों को वह उनका अंदरूनी मामला बता चुकी है।

दिल्ली में आप-कांग्रेस सहयोगी दल

मगर आम आदमी पार्टी आईएनडीआइ गठबंधन का प्रमुख हिस्सा है और उसी के बैनर तले दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। यह बहुत स्वाभाविक है कि जब गठबंधन के किसी दल में किसी तरह की कुछ हलचल होती है तो उसका असर सामने वाले उसके सहयोगी दल पर भी पड़ता है। यहां तो सहयोगी दल का प्रदेश अध्यक्ष ही आप को लेकर बयान देकर इस्तीफा दे गया है।

इस्तीफा की घटना किसी की साजिश: AAP

आप के लिए चिंता का कारण यह भी है कांग्रेस जैसा घटनाक्रम कुछ समय पहले आप में भी हो चुका है, जब 21 मार्च को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के कुछ दिन बाद ही समाज कल्याण मंत्री राजकुमार आनंद ने कैबिनेट मंत्री, विधायक और पार्टी के इस्तीफा दे दिया था। आप उस घटनाक्रम को भी अब किसी साजिश का हिस्सा मान रही है। आप के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि शुरू में हमें लग रहा था कि आनंद ने ईडी के डर से इस्तीफा दिया है क्योंकि एक पुराने मामले में ईडी नोटिस देकर लगातार उन्हें फंसा देने की बात कर कर डरा रही थी, मगर इस्तीफे के बाद जब उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर हमला बोला तो यह बात साफ हो गई कि इसके पीछे कोई और काम कर रहा था।

जीत नहीं पाते तो जोड़-तोड़ करते हैं: AAP

वह कहते हैं कि देश में डर का माहौल तैयार किया जा रहा है, जो कोई नहीं झुके तो उसे जेल में डाल दो। वह कहते हैं कि अब कोई आकर आप में खुराफात कर सकेगा यह आसान नहीं है मगर हम सतर्क हैं, क्योंकि कुछ लोग जब जीत नहीं पाते तो जोड़तोड़ में लगे रहते हैं।

दलबदलू सदस्य बताएं कि हमारे बंदी सिखों को रिहा कर दिया गया क्या : बीबी रणजीत कौर

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली: देश के मौजूदा हालात को देखते हुए यह स्पष्ट है कि भाजपा पार्टी की नीतियां पंजाबियों, किसानों और देश के प्रति शत्रुतापूर्ण हैं. और वे नफरत के जहरीले प्रचार से देश की सत्ता दोबारा हासिल करने की फिराक में हैं. दागियों के खिलाफ अपनाए जा रहे मानकों के कारण दागी लोग भाजपा रूपी वॉशिंग मशीन के अंदर जाकर खुद को दूध का धुला बनकर साबित करने में लगे हुए हैं. लेकिन वे भूल जाते हैं कि यह सरकारें कभी स्थिर नहीं रहतीं, समय परिवर्तन लाता है और हर व्यक्ति को अपने कार्यों का जवाब देना पड़ता है. दिल्ली कमेटी के जो सदस्य दिल्ली कमेटी से इस्तीफा दिए बिना भाजपा के सदस्य बन रहे हैं, उन्हें एक बार गुरु साहिब की ओर देखना चाहिए था और सोचना चाहिए था कि वर्तमान केंद्र केवल अपने गुप्त एजेंडे के तहत सिख पंथ के साथ विश्वासघात कर रहा है उनसे सिख पंथ को कुछ नहीं मिला है. दलबदलू सदस्य बताए कि हमारे बंदी सिंहों को रिहा कर दिया गया है, किसानों का मुद्दा हल हो गया है, सिखों की काली सूची बननी बंद हो गई है, सिखों को अभी भी यह महसूस नहीं कराया जा रहा है कि वे दोयम दर्जे के नागरिक हैं, आदि ऐसे कई मुद्दे हैं जिनके बारे में लिखा जा सकता है क्या वह सभी सुलझ गए हैं..?

नोटबंदी के बाद कोरोना लहर के दौरान लोगों को उनके हाल पर छोड़ने का केंद्र सरकार का अविस्मरणीय कदम दुनिया के अंत तक याद रखा जाएगा. ताजा मामला यह है कि बीजेपी के गठबंधन के चलते कर्नाटक से प्रज्वल को लोकसभा का टिकट दिया गया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रज्वल के एक हजार से ज्यादा सेक्स वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. जिसके चलते राजनीति में बड़ी दरार पैदा हो गई है और प्रज्वल रेवन्ना देश छोड़कर जर्मनी भाग गए हैं. अब जिन लोगों ने देश को लूटा है, जो देश छोड़कर भाग गए हैं, उन्हें भाजपा सरकार वापस नहीं ला पाई तो इसे कहां से लाएगी..? आप संगत के साथ-साथ गुरु साहिब के प्रति भी जवाबदेह हैं, जिसका उत्तर आपको संगत को देना होगा. श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे उन दलबदलुओं से सावधान रहें जो आज सिख भेष में मुखौटे बदलकर भोली-भाली जनता को गुमराह कर रहे हैं, इसलिए उनसे सावधान रहना जरूरी है. यह शब्द शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई की महिला विंग की मुख्य सेवादार बीबी रणजीत कौर ने मीडिया को जारी एक प्रेस नोट के माध्यम से व्यक्त किये।

सीबीएसई 10वीं-12वीं के नतीजे घोषित होने की तारीख का एलान, दिल्ली के करीब 6 लाख स्टूडेंट्स कर रहे इंतजार

परिवहन विशेष न्यूज

लगभग 26 देशों से कुल 39 लाख छात्रों ने सीबीएसई की परीक्षा दी। अकेले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 5 .80 लाख छात्रों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024 में भाग लिया। देशभर में 877 परीक्षा केंद्रों पर ये परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। सीबीएसई ने कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों परीक्षाओं में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए मेरिट सूची की घोषणा करने की परंपरा बंद कर दिया था।

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं -12वीं के नतीजे आने की तारीख की घोषणा कर दी। सीबीएसई ने बताया कि 20 मई 2024 के बाद कभी भी नतीजे घोषित हो सकते हैं। जो भी छात्र सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं परीक्षा 2024 में उपस्थित हुए थे, उन्हें थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। परिणाम आधिकारिक वेबसाइट cbse.gov.in या results.cbse.nic.in देखे जा सकेंगे।

इस साल, सीबीएसई कक्षा 10 की परीक्षाएं 15 फरवरी से 13 मार्च तक आयोजित की गई थी, जबकि कक्षा 12 की परीक्षाएं 15 फरवरी से 2 अप्रैल, 2024 तक आयोजित की गईं। दोनों परीक्षाएं एक ही पाली में यानी सुबह 10:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक आयोजित की गईं।

दिल्ली के 5.80 लाख छात्रों का इंतजार बढ़ा

इस साल, लगभग 26 देशों से कुल 39 लाख छात्रों ने परीक्षा दी। अकेले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में, 5.80 लाख छात्रों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024 में भाग लिया। देशभर में 877 परीक्षा केंद्रों पर ये परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। सीबीएसई ने कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों परीक्षाओं में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए मेरिट सूची की घोषणा करने की परंपरा को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया था।

पिछले साल, सीबीएसई कक्षा 10, 12 के परिणाम 12 मई, 2023 को घोषित किए गए थे। कक्षा 10वीं के लिए कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 93.12% दर्ज किया गया था, जबकि सीबीएसई 12वीं का उत्तीर्ण प्रतिशत 87.33% था।

दक्षिणी दिल्ली के बीजेपी कैंडिडेट रामवीर बिधूड़ी की संपत्ति चार साल में तीन गुणा बढ़ी, करोड़ों के हैं मालिक; एक भी कार नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

रामवीर सिंह बिधूड़ी की संपत्ति चार साल में करीब तीन गुणा बढ़ गई। उन्होंने अपने शपथ पत्र में चल संपत्ति 11.71 करोड़ और अचल संपत्ति 13.82 करोड़ रुपये दर्शाई है। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनकी चल संपत्ति 3.76 करोड़ और अचल संपत्ति 6 करोड़ रुपये थी। उनकी पत्नी की संपत्ति में भी बढ़ोत्तरी हुई है। उनकी पत्नी के नाम 14.98 करोड़ अचल संपत्ति है।

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी ने नामांकन दाखिल किया। वह उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ रोड शो निकालते हुए साकेत जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था के चलते काफिले के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

बदरपुर से विधायक रामवीर सिंह बिधूड़ी पहली बार लोकसभा चुनाव में किस्मत आजमा रहे हैं। वह नामांकन करने से पहले सुबह पृथ्वीराज मार्केट स्थित श्री गोपाल मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। यहां से वह लाडो सराय स्थित भाजपा चुनाव कार्यालय पहुंचे। यहां पर भारी संख्या में भाजपा के समर्थन पहुंच चुके थे। चुनाव कार्यालय के बाहर बने मंच से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और रामवीर सिंह बिधूड़ी सहित अन्य नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्री अध्यक्ष राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव न लड़ने के विषय में चुटकी लेते हुए कहा कि इस बार भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से जीतेगी। अबकी बार राहुल गांधी को अमेठी छोड़ना पड़ा है। वह अगली बार वायनाड से भी हारेंगे। उन्होंने कहा कि अबकी बार भाजपा 400 से ज्यादा सीटें जीतेगी।

ढोल-नगाड़ों के साथ शुरू हुआ रोड शो

सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे तक समर्थकों की भीड़ भाजपा कार्यालय के बाहर इकट्ठा हो गई। यहां से ढोल-नगाड़ो के साथ रामवीर सिंह बिधूड़ी का रोड शो शुरू हुआ। महिला कार्यकर्ता रोड शो के दौरान जमकर झूमी। रोड शो लाडो सराय गांव के अंदर से होते हुए साकेत स्थित जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचा। इस दौरान कई जगहों पर कार्यकर्ताओं ने रामवीर सिंह का फूलों से स्वागत किया। समर्थकों ने बुलडोजर पर चढ़कर फूल बरसाए। निर्वाचन कार्यालय में जिला निर्वाचन अधिकारी मेकला चैतन्य प्रसाद को अपना नामांकन सौंपा।

दिल्ली की सातों सीट भाजपा जीतेगी: रामवीर सिंह बिधूड़ी

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि जिस तरह से जन सैलाब उनके समर्थन में आया है, इससे साफ हो गया कि दिल्ली की सातों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार जीत कर आएंगे। दिल्ली में विकास कार्य जो अभी तक नहीं हो पाए थे वह किए जाएंगे। देश में एक बार फिर से मोदी सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आने वाले विधानसभा चुनाव में भी भाजपा जीत दर्ज करेगी।

चार साल में तीन गुणा बढ़ गई बिधूड़ी की संपत्ति

रामवीर सिंह बिधूड़ी की संपत्ति चार साल में करीब तीन गुणा बढ़ गई। उन्होंने अपने शपथ पत्र में चल संपत्ति 11.71 करोड़ और अचल संपत्ति 13.82 करोड़ रुपये दर्शाई है। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में उनकी चल संपत्ति 3.76 करोड़ और अचल संपत्ति 6 करोड़ रुपये थी। उनकी पत्नी की संपत्ति में भी बढ़ोत्तरी हुई है। उनकी पत्नी के नाम 12.11 करोड़ चल और 14.98 करोड़ अचल संपत्ति है। वर्ष 2020 में उनके नाम 5.18 करोड़ की चल और 5.66 करोड़ की अचल संपत्ति थी। करोड़ों की संपत्ति के मालिक रामवीर सिंह ने शपथ पत्र में जानकारी दी कि उनके पास कोई कार नहीं है।

दिल्ली पुलिस के एएसआई ने महिला का मरोड़ा हाथ छीना मोबाइल, दी गालियां

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी, नई दिल्ली। शांति -सेवा-न्याय का पाठ पढाने का दावा करने वाली दिल्ली पुलिस के एक एएसआई ने महकमें के इस स्लोगन की धज्जियां ही उडा डाली।दरअसल खाकी की इस हरकत का विडिओ सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है सोशल मीडिया में महकमें की इस हरकत पर यूजर्स ने सवालों की झंडी लगा दी है।

हुआ यूं कि दिल्ली पुलिस का एक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर जब कॉल पर पहुंचा तो महिला से बात करने की तमीज का दायरा तोड बैठा। वायरल विडिओ में ,साफ दिखाई पड रहा है कि एएसआई महिला का हाथ मरोड़कर उससे मोबाइल को छीन रहा है। इसके साथ ही तमीज की सारी हद को लांघते हुए महिला को गालियां भी दी। पुलिस अधिकारी की ये सारी हरकतें और बदतमीजी वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। ये ताजा वाक्या एक महिला के साथ पुलिस अफसर की बदसलूकी से जुडा हुआ है। मामला नोर्थ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के तहत आने वाले मौर्य एनक्लेव थाने के पीतम पुरा इलाके का है। इसी थाने में तैनात एएसआई विजय सिंह शायद किसी शिकायत पर पीतम पुरा के मकान नंबर एस-4 में पहुंचे। सोशल मिडिया में वायरल इस विडियो मे साफ देखा जा सकता है कि एक महिला इनसे बात करने पहुंचती है, और जिस वक्त वो महिला पुलिस अफसर से बात कर रही थी उस वक्त उनके हाथ में मोबाइल फोन भी था। दोनों के बीच कुछ बातचीत होती है लेकिन अचानक एएसआई विजय पाल सिंह महिला के हाथ से मोबाइल फोन झपटने की कोशिश करते है। महिला छिटक कर दूर होने लगती है ।लेकिन एएसआई विजय सिंह महिला पर झपटते हैं । उसके बाद हाथ पकड लेते हैं। और हाथ मरोड़कर कर मोबाइल लेने की कोशिश करते दिखाई देते हैं। इसी बात पर महिला और पुलिस अधिकारी विजय सिंह में कहा सुनी शुरू हो जाती है। तब एएसआई साहब ,खाकी के उसूल के खिलाफ जिस भाषा मे बात करते है उसे शरीफ लोगों की जुबान में गाली कहा जाता है।दरअसल यहां मामला एक निर्माण और मकान के रिनोवेशन से जुडा हुआ है। ये मामला पहले भी थाने और कोर्ट तक भी पहुंच चुका है।गुरूवार को मौके पर पुलिस पहुंची। जैसा की वायरल विडियो में दिख रहा कि बिना किसी आत्मरक्षा की वजह के दिल्ली पुलिस के पुरूष अधिकारी एक महिला पर टूट पडे। अब इस बावत महिला ने मौर्य एन्क्लेव थाने में ही एएसआई विजय सिंह की शिकायत करके कारवाई की मांग की है ऐसे में देखना होगा कि थाने की पुलिस के सामने सबूत होने के बावजूद अपने ही अधिकारी पर कारवाई करती है या मामला कागजों की तह बन कर रह जाएगा। विडियो के मुताबिक महिला ने किसी भी तरह से सरकारी अफसर के काम में रूकावट डालने जैसा कोई काम नहीं किया। और न ही एएसआई विजय सिंह पर कोई जानलेवा हमला किया। जिसकी वजह से उसे आत्मरक्षा जैसी कोई युक्ति अपनानी पडे।

सीए की बेटी से सात करोड़ से ज्यादा की ठगी मामले में बड़ी कार्रवाई, पुलिस ने 16 आरोपितों को पकड़ा

शहर में सीए की बेटी से हुई सबसे बड़ी 7.59 करोड़ की ठगी में साइबर थाना सेंट्रल पुलिस ने 16 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। शेयर मार्केट में निवेश कर मुनाफा कमाने का झांसा देकर इस ठगी को अनजाम दिया गया। 29 मार्च को यह मामला दर्ज हुआ था। साइबर थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि अभी मास्टर माइंड पकड़ से दूर है वह जल्द पुलिस की गिरफ्त में होगा।

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद। शहर में सीए की बेटी से हुई सबसे बड़ी 7.59 करोड़ की ठगी में साइबर थाना सेंट्रल पुलिस ने 16 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। शेयर मार्केट में निवेश कर मुनाफा कमाने का झांसा देकर इस ठगी को अनजाम दिया गया। 29 मार्च को यह मामला दर्ज हुआ था।

गिरफ्तार किए गए आरोपितों में गौरव उर्फ हन्नी, दिनेश कुमार, इंद्रजीत, रिंकू मल्होत्रा, कैलाश, राहुल गहलौत, दीपेंद्र, दिनेश कुमार, महेंद्र, रोहित, आकाश, राम सिंह, हरिकिशन, सईद सुहेल, सईद मोहम्मद जिशान, प्रशांत कुमार हैं। पुलिस ने सभी आरोपितों को बीकानेर, बेंगलुरु, और लखनऊ से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों से 15 लाख 17 हजार 500 रुपये, 596 सिम कार्ड, 67 चैक बुक, 62 एटीएम सहित अन्य सामान बरामद किया है। अभी मामले में और भी आरोपित हैं। इनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

इस तरह हुई ठगी

साइबर थाना सेंट्रल में सेक्टर-15 में रहने वाली एक युवती ने दी शिकायत में बताया कि उनके पिता सीए हैं। वह अपने पिता के साथ दिल्ली स्थित आफिस में प्रबंधन का काम देखती है। इसके साथ अलग से शेयर मार्केट में पिछले सा साल से ट्रैडिंग भी कर रही थी। चार जनवरी को उसके फेसबुक अकाउंट पर शेयर मार्केट में निवेश करने का एक लिंक आया। उसने उस लिंक पर क्लिक कर लिया। उसके बाद उसे एक वाट्सएप ग्रुप से जोड़ दिया गया।

18 मार्च तक उस ग्रुप में आई अन्य लोगों की प्रतिक्रियाएं देखती रही। उसमें देखा कि जो लोग निवेश कर रहे हैं, उन्हें किस तरह मोटा मुनाफा हो रहा है। उसके बाद उसने ग्रुप में अपने रुपये निवेश करने की सहमति जताई। सहमति जताने के बाद उसने एक और वाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया। उसका अकाउंट भी खुलवा दिया गया।

इसके बाद करीना राजपूत नामक युवती ने उसे सुझाव दिया कि आप हमारे कस्टमर सर्विस से फंड ऐड करने के लिए बैंक डिटेल प्राप्त कर लें। 19 मार्च को उसने अपने बैंक खाते से एक लाख रुपये निवेश किए। 21 मार्च को 60 लाख रुपये निवेश किए। उसे बताया जाता रहा कि आपसे पैसे से शेयर खरीदे जा रहे हैं जो मुनाफे में चल रहे हैं।

लगातार पैसे देती चली गई

इसके बाद लगातार पैसे जमा कराती रही। उसने न केवल अपने बल्कि अपने पता के खाते से 90 लाख रुपये भी शेयर मार्केट में लगा दिए। माता के खाते में पड़े 15 लाख जमा कराए। सबसे बड़ी रकम चार करोड़ रुपये आरोपितों के बताए गए खाते में भेज दिए गए। इस हिसाब से लगातार पैसे देती चली गई। उसकी निवेश की हुई कुल रकम सात करोड़ 59 लाख रुपये हो गई।

मास्टर माइंड पकड़ से दूर

वह आरोपितों से अपनी रकम मुनाफा सहित वापस करने के लिए कहती तो वह और निवेश करने की बात कहते थे। वह समझ गई कि उसके साथ ठगी हो रही है। उसने इसकी शिकायत साइबर पोर्टल पर की। साइबर थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि अभी मास्टर माइंड पकड़ से दूर है। आरोपितों में किसी ने सिम कार्ड उपलब्ध कराए हैं तो किसी ने अकाउंट उपलब्ध कराया है। इस ठगी में सभी का कुछ न कुछ रौल है। बाकी आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दी जा रही है।

300 से ज्यादा झुग्गियों में लगी आग, गैस सिलेंडरों के धमाकों से दहला इलाका

गुरुग्राम के सेक्टर 54 क्षेत्र में शुक्रवार को झुग्गियों में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में 300 से ज्यादा झुग्गियां आ गई। झुग्गियों में रखे एलपीजी के छोटे-बड़े सिलेंडर फटने से पूरा क्षेत्र धमाकों से दहल गया। सेक्टर 29 दमकल केंद्र सहित अन्य दमकल केंद्रों से पहुंची दस से ज्यादा फायर ब्रिगेड ने लगभग पांच घंटे में पूरी तरह आग पर काबू पा जा सका।

गुरुग्राम। शहर के सेक्टर 54 क्षेत्र में शुक्रवार को झुग्गियों में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में 300 से ज्यादा झुग्गियां आ गई। झुग्गियों में रखे एलपीजी के छोटे-बड़े सिलेंडर फटने से पूरा क्षेत्र धमाकों से दहल गया। आग बुझाने के लिए सेक्टर 29 दमकल केंद्र सहित अन्य दमकल केंद्रों से पहुंची दस से ज्यादा फायर ब्रिगेड ने लगभग पांच घंटे में पूरी तरह आग पर काबू पाया।

आग की लपटों और धुएं के कारण आसपास के लोग भी दहशत में आ गए। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं लग पाया। किसी एक झुग्गी में खाना बनाते समय आग लगने का अंदेशा है और बाद में तेज हवा के कारण आग ने आसपास की 300 से ज्यादा झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया।

दमकलकर्मी सुधीर ने बताया कि आग काफी क्षेत्र में फैल गई थी। आग के कारण झुग्गियों में रखा काफी सामान जल गया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। दस से ज्यादा फायर ब्रिगेड की मदद से लगभग पांच घंटे में आग को बुझा दिया गया। इस क्षेत्र में लगभग 500 झुग्गियां भी बनी हुई थी। तुरंत चारों तरफ से आग बुझाने से अन्य झुग्गियों तक आग नहीं फैली, जिससे बचाव हो गया।

एक-एक करके फटते रहे सिलेंडर

झुग्गियों में लोग खाना बनाने के लिए एलपीजी के छोटे और बड़े सिलेंडर रखते हैं। जैसे ही आग लगी, झुग्गियों में रखे सिलेंडर एक-एक करके फटने लगे। गनीमत यह रही कि इन धमाकों की चपेट में कोई नहीं आया। दमकलकर्मियों को भी सिलेंडर फटने के कारण आग बुझाने में परेशानी हुई। आसपास के क्षेत्र में काफी धुआं फैल गया।

रोते-बिलखते रहे लोग

झुग्गियों में रखा सामान अपनी आंखों के सामने जलता देख झुग्गियों में रहने वाले लोग रोते-बिलखते रहे। काफी ज्यादा सामान जलने से नुकसान हो गया। शहर में झुग्गियों में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। हर साल गर्मी के दिनों में झुग्गियों में गर्मी होने तथा हवा आदि चलने के कारण आग लग जाती है। सेक्टर 54 में झुग्गियां प्राइवेट जमीन पर बसी थी या यह सरकारी जमीन पर कब्जा था, इसकी जांच की जा रही है। आग लगने की सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची थी।

किराए के लालच में बसा रहे झुग्गियां

शहर में सरकारी या प्राइवेट जमीन पर किराया वसूलने के लिए झुग्गियां बसाई जा रही हैं। एक झुग्गी का किराया पंद्रह सौ रुपये से लेकर पंद्रह सौ रुपये से ज्यादा तक वसूला जाता है। इनमें कई जगह पर चोरी की बिजली का उपयोग किया जा रहा है। लेकिन विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। इससे पहले नौ जनवरी 2023, 19 अप्रैल 2023 और 11 सितंबर 2023 को गुरुग्राम में झुग्गियों में आग लगने से नुकसान हुआ था। गत वर्ष सेक्टर 49 के समीप गांव घसौल में आग की चपेट में आने से 300 झुग्गियां जल गई थी।

बढ़ते तापमान से तप रहे NCR के लोग, खूब पानी पीकर हाथ में छाता लेकर निकलें बाहर

परिवहन विशेष न्यूज

बढ़ते तापमान से एनसीआर के लोग तप रहे हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन तेज धूप की वजह से गर्मी से अभी राहत नहीं मिलेगी। इसे लेकर डॉक्टर ने घर से बाहर निकलने से पहले खूब पानी पीने और हरी सब्जियां व फल खाने की सलाह दी है। ज्यादा तापमान होने पर छाता व सर पर टोपी लगाकर बाहर निकलें।

गाजियाबाद। सुबह सवेरे चली ठंडी हवा के बाद बृहस्पतिवार को तापमान में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन सुबह से काफी तेज धूप रहने की वजह से गर्मी रही। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन तेज धूप की वजह से गर्मी से अभी राहत नहीं मिलेगी। बीते दो दिन से रात में ठंडी हवा चल रही है। बृहस्पतिवार की सुबह सवेरे तेज ठंडी हवा में खुले आसमान के नीचे हल्की सर्दी भी महसूस हुई, लेकिन जैसे ही धूप निकली वैसे ही गर्मी बढ़ गई। दोपहर में तेज धूप में काफी ज्यादा गर्मी महसूस हुई। न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

18 KM प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवा

हवा अधिकतम 18 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। वातावरण में आर्द्रता 18 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार को भी तेज धूप व गर्म हवा का सामना करना पड़ेगा। आसमान में हल्के बादल मंडराते रहेंगे, लेकिन तेज धूप व गर्म हवा की वजह से तापमान बढ़ने के साथ गर्मी ज्यादा महसूस होगी।

न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। हवा की रफ्तार बढ़ने के साथ अधिकतम 21 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी। वातावरण में आर्द्रता 15 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बढ़ते तापमान से तप रहे हैं लोग

बढ़ते तापमान से दिल्ली-एनसीआर के लोग तप रहे हैं। गाजियाबाद के जिला एमएमजी अस्पताल की ओपीडी रिपोर्ट में पता चला है कि दो महीने में बुखार के 15618 मरीज पहुंचे है। इनमे से 356 को भर्ती कराना पड़ा। बुखार भी 103 से लेकर 105 सेल्सियस तक पहुंच रहा है।

सीएमएस डॉक्टर राकेश कुमार सिंह ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ ही बुखार के मरीजों को वरीयता पर भर्ती करते हुए चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है।

लू से बचाव को सतर्क रहें

साथ ही बुखार के प्रत्येक मरीज कि मलेरिया डेंगू और टाइफाइड जांच अनिवार्य कर दी गई है। जब किसी जगह का स्थानीय तापमान लगातार तीन दिन तक वहां के सामान्य तापमान से तीन डिग्री से अधिक बना रहे तो उसे लू कहते हैं।

बढ़ जाता है हीट स्ट्रोक का खतरा

जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक रहता है तो मानव शरीर पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता परंतु जैसे ही यह तापमान इससे अधिक बढ़ जाए तो इससे हीट स्ट्रोक हो सकता है। इसके लिए कोई घबराने की जरूरत नही है बल्कि सावधान रहने की जरूरत है।

गाज़ियाबाद की साया गोल्ड सोसायटी में दूषित पानी पीने से 200 से ज्यादा लोग बीमार

गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित साया गोल्ड सोसायटी में शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक के बाद एक करीब 200 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। इसकी वजह है गंदा पानी। सोसायटी के लोगों का कहना है कि कई दिन से पीने के पानी में सीवर का पानी मिलकर आ रहा था जिसे लोग न चाहते हुए भी पी रहे थे और अब 200 से ज्यादा लोग बीमार...

साहिबाबाद। इंदिरापुरम की साया गोल्ड सोसायटी में दूषित पानी पीने से 200 से ज्यादा लोग बीमार हो गए हैं। लोगों का कहना है कि पानी में कई दिन से सीवर का पानी मिलकर आ रहा था, जिसे लोग पी रहे थे।

पानी पीने से 100 से ज्यादा बच्चे और बड़े कुल मिलाकर 200 से ज्यादा लोग बीमार हो गए हैं। सोसायटी में इतने ज्यादा लोगों के बीमार होने से सोसायटी के लोगों में आक्रोश है।

शुरुआत में नहीं पता चली बीमारी की वजह

शुरुआत में लोगों को पता नहीं चला कि आखिर लोग बीमार क्यों हो रहे हैं, लेकिन बाद में जब जानकारी की गई तो पता चला कि दूषित पानी पीने से सोसायटी में 200 से ज्यादा लोग बीमार हो गए हैं।

लोग इसके विरोध में सोसायटी में शुक्रवार को हंगामा कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम सोसायटी में पहुंची है। काफी संख्या में लोग दवा ले रहे हैं।

लोगों ने बताया कि बच्चों को उल्टी-दस्त, पेट में दर्द सहित अन्य दिक्कत हो रही है। सोसाइटी में 1500 से ज्यादा फ्लैट हैं। बिल्डर इसका मेंटेनेंस देखता है।

भारत एवं कनाडा के रिश्ते खतरनाक मोड़ पर

टूडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए टूडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं।

ललित गर्ग

कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मौजूदगी में खालसा दिवस समारोह के दौरान खालिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने के बाद भारत सरकार जो सख्ती दिखाई है, वह आवश्यक एवं समयोचित कदम है। इस घटना पर भारत का चिंतित होना एवं कनाडा को चेताया जाना स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय में कनाडा के उप-उच्चायुक्त को तलब कर इस मामले में गहरी आपत्ति जताई गई है। कनाडा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिये अनेक बार भारत विरोधी घटनाओं में संदेहास्पद एवं विवादास्पद भूमिका का निर्वाह करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की मर्यादाओं को धुंधलाया है। कनाडा की धरती से खालिस्तानी समर्थक अलगाववाद, कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा दिया जाता रहा है। इस तरह की घटनाओं से कनाडा में अपराध का माहौल बना हुआ है। इससे कनाडा के नागरिकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। जिससे भारत में भी स्थितियां संकटपूर्ण बनी है। पिछले साल खुद ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से निज्जर हत्याकांड में भारत के शामिल होने का निराधार आरोप लगाया था। भारत के मांगने के बाद भी आज तक उनकी सरकार इस आरोप के पक्ष में कोई सबूत नहीं दे पाई है। जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाकर दोनों देशों के बीच विवाद खड़ा कर दिया था। भारत ने आरोप को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद से कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आ गई और दोनों देशों के रिश्ते सुधरने की बजाय खतरनाक मोड़ पर पहुंच गये हैं।

खालसा दिवस समारोह में न केवल खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए बल्कि ऐसे बैनर प्रदर्शित किए गए, जिनमें भारत-विरोध के त्रासद एवं राष्ट्र-विरोध के भ्रामक, झूठे एवं बेबुनियाद आरोप थे। अफसोस और चिंता की बात यह रही कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने तो इन सब भारत-विरोधी घटनाओं को रोकने की या इन्हें गलत बताने की कोई कोशिश की। इस पूरे मामले में ट्रूडो का व्यवहार आपत्तिजनक बना, दो देशों के बीच खटास घोलने वाला एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का रहा। जिसे दोनों देशों के राजनयिक पैमाने पर उचित नहीं कहा जा सकता। इस तरह कनाडा अपने देश की राजनीतिक जरूरतों के चलते भारत के साथ अपने रिश्ते इस मोड़ पर ले आया हैं, जहां उनके बीच विश्वास, भरोसे, आपसी सहयोग और संवाद की कमी है, तो यह अकारण नहीं है।

भले ही लगभग आठ लाख कनाडाई सिखों की वहां की राजनीति में सक्रिय भागीदार हैं। सिख समुदाय की जरूरतों एवं उनके शांतिपूर्ण जीवन के लिये कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता में कोई आपत्ति नहीं हैं। सिख समुदाय के मौलिक अधिकारों व स्वतंत्रता की रक्षा करने के वायदे यदि वहां की सरकार करती है तो अच्छी बात है। भले ही कनाडा सरकार सिखों के सामुदायिक केंद्रों, गुरुद्वारा समेत पूजास्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ भारत एवं कनाडा के बीच उड़ानें और रूट बढ़ाने को लेकर भारत के साथ नए समझौते करें, लेकिन इन स्थितियों के बीच खालिस्तानी अलगाववाद को प्रोत्साहन देना भारत के लिये असहनीय है। भारत बार-बार इस बात को दोहरा रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इस तरह अलगाववादी और अतिवादी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देना न केवल दोनों देशों के रिश्तों के लिए बल्कि खुद कनाडा के लिए भी खतरनाक है। भारत जिस तरह से लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद को झेला है, कनाडा में इन तत्वों को प्रोत्साहन देकर कनाडा आतंकवादी गतिविधियों का केन्द्र बन सकता है, जो उसके लिए नुकसानदेह ही साबित होने वाला है।

निश्चित ही कनाडा में खालिस्तानी आतंकी फल-फूल रहे हैं। खालिस्तानी न केवल भारतीय राजनयिकों को धमका रहे हैं बल्कि हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। कनाडा की धरती पर हर किस्म के खालिस्तानी चरमपंथी ही नहीं पल रहे हैं बल्कि वहां भारत से भागे गैंगस्टर और नशे के तस्कर भी शरण पा रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद में भारत ने कनाडा को जो खरी-खोटी सुनाई, वह इसलिए आवश्यक थी, क्योंकि वहां की ट्रूडो सरकार अपने भारत विरोधी रवैये से बाज नहीं आ रही है। वह जिस तरह खालिस्तानी अतिवादियों को संरक्षण दे रही है, उसकी मिसाल यदि कहीं और मिलती है तो वह पाकिस्तान में। कनाडा अपने भारत विरोधी रवैये के कारण पाकिस्तान सरीखा बनता जा रहा है। कनाडा अपने हितैषी एवं पडोसी देशों से दूरियां बना रहा है। खालिस्तान समर्थन एवं प्रोत्साहन के चलते कनाडा में फिलहाल कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। अपने देश के साथ दुनियाभर में वह आलोचकों के निशाने पर हैं। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों पर नियंत्रण रखने में कथित नाकामी के चलते ट्रुडो को अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते जी-20 बैठक में उन्हें भारत और सदस्य देशों का 'ठंडा' रिस्पांस मिला। भारत में खास अहमियत नहीं मिलने से खिसियाए ट्रुडो को कनाडा के मीडिया ने भी आड़े हाथ लिया है।

ट्रुडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए ट्रुडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भारत अब दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कनाडाई में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और व्यापार में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है और दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का असर यहां की इकोनॉमी पर पड़ रहा है। भारत की नाराजगी बेवजह नहीं है, क्योंकि कनाडा भारत के विरोध में लगातार सक्रिय हैं, कनाडा ने ही किसानों के आंदोलन के समर्थन में अतिश्योक्तिपूर्ण सहयोग होने दिया। जबकि दोनों देशों के संबंधों में प्रगति के लिए एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव और आपसी भरोसा रहना जरूरी है।

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठे थे। लेकिन अमेरिका ने इस मसले पर सार्वजनिक बयानबाजी करने के बजाय भारत सरकार से सीधी बातचीत की। भारत ने भी अमेरिकी सरकार की ओर से मुहैया कराए गए सबूतों को गंभीरता से लिया। इस मामले में एक उच्चस्तरीय जांच शुरू हुई। अच्छी बात यह भी है कि इस मामले को दोनों देशों के संबंधों के खटास का माध्यम नहीं बनने दिया। जांच के निष्कर्षों को दोनों देशों ने स्वीकार किया एवं बेवजह का विवाद खड़ा नहीं होने दिया। कनाडा को भी अमेरिका से कुछ सीखना चाहिए एवं निज्जर हत्याकांड में भारत की अगर कोई भूमिका है तो उसके सबूत भारत सरकार को देने चाहिए। कोरे आरोप लगाकर आपसी संबंधों को बिगाड़ने से परहेज करना चाहिए। अपनी भूमि का उपयोग भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा पैदा करती गतिविधियों के लिये कत्तई नहीं करने देना चाहिए। बात कनाड़ा के साथ-साथ अन्य देशों पर भी लागू होती है जो अपने राजनीतिक हितों के लिये खालिस्तान समर्थक या अन्य भारत विरोधी आन्दोलनों को जगह देते हैं, लेकिन इन देशों ने भी समझा है और समझना ही होगा कि किसी देश के अन्दरूनी मामलों में दखलअंदाजी करना उनके लिये ही हानिकारक होने वाला है। भारत अब एक महाशक्ति है, कनाड़ा जैसे देशों की भारत-विरोधी गतिविधियों से भारत की सेहत पर कोई असर नहीं पडेगा।

इंडियन मार्केट में जल्द लॉन्च होंगी ये 4 नई 7-सीटर कार, हुंडई से लेकर टोयोटा लिस्ट में शामिल

अपडेटेड Hyundai Alcazar को इस साल की दूसरी छमाही में लॉन्च किया जाना है जिसमें हाल ही में जारी क्रेटा फेसलिफ्ट से प्रेरित डिजाइन में काफी बदलाव किए गए हैं। जीप अगले कुछ महीनों के अंदर भारत में फेसलिफ्टेड मेरिडियन लॉन्च करने की तैयारी में है। Toyota Fortuner MHEV इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक या 2025 की शुरुआत में भारत में लॉन्च होने की अधिक संभावना है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। अगर आप निकट भविष्य में एक फैमिली कार खरीदने का प्लान कर रहे हैं, तो हमारा ये आर्टिकल आपके काम का है। अपने इस लेख में हम इस कैलेंडर ईयर के अंत से पहले भारत में लॉन्च होने वाली 4 नई 7-सीटर कारों की लिस्ट लेकर आए हैं। इसमें 3 एसयूवी और एक एमपीवी शामिल है। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

Hyundai Alcazar Facelift

अपडेटेड Hyundai Alcazar को इस साल की दूसरी छमाही में लॉन्च किया जाना है, जिसमें हाल ही में जारी क्रेटा फेसलिफ्ट से प्रेरित डिजाइन में काफी बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों में इंटीरियर और एक्सटीरियर दोनों में महत्वपूर्ण अपडेट शामिल होंगे, जो इस 7-सीटर एसयूवी को एक नया और आधुनिक लुक देंगे।

New Kia Carnival

नई पीढ़ी की Kia Carnival आने वाले महीनों में भारत में लॉन्च के लिए तैयार है। इस प्रीमियम एमपीवी को हाल ही में वैश्विक रूप से नया रूप दिया गया है और उम्मीद है कि भारतीय संस्करण को भी इसी तरह के एक्सटीरियर और इंटीरियर अपडेट मिलेंगे। हालांकि, इसका 2.2 लीटर डीजल इंजन पिछले मॉडल से ही लिया जाएगा।

Jeep Meridian Facelift

जीप अगले कुछ महीनों के अंदर भारत में फेसलिफ्टेड मेरिडियन लॉन्च करने की तैयारी में है। यह मिड-साइकिल अपडेट एसयूवी में कॉस्मेटिक बदलाव और नई पेंट स्कीम लाएगा, जो इसे एक फ्रेस लुक देगा। इसमें नए फीचर्स जोड़े जाएंगे, लेकिन किसी भी तरह का मैकेनिकल चेंज नहीं होने वाला है। इसके अलावा 2.0L डीजल इंजन मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन के विकल्प के साथ जारी रहेगा।

Toyota Fortuner MHEV

Toyota Fortuner MHEV इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक या 2025 की शुरुआत में भारत में लॉन्च होने की अधिक संभावना है। टोयोटा की पॉपुलर एसयूवी का यह संस्करण पहले से ही दक्षिण अफ्रीका जैसे बाजारों में उपलब्ध है।

2024 बजाज पल्सर NS400Z भारतीय बाजार में लॉन्च, 1.85 लाख रुपये में मिलेंगे ये फीचर्स और स्पेसिफिकेशन

नई दिल्ली। Bajaj Auto ने अब तक की सबसे बड़ी Pulsar को इंडियन मार्केट में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने 2024 Bajaj Pulsar NS400Z की कीमत 1.85 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी है, जो फिलहाल इंट्रोडक्टरी प्राइस है। ये मोटरसाइकिल NS200 के बेहतर वर्जन की तरह दिखती है। हालांकि, इसे थोड़े अलग स्टाइलिंग एलीमेंट दिए गए हैं।

डिजाइन और डायमेंशन

नई Pulsar NS400Z पहली नजर में NS200 के समान दिखती है, लेकिन मोटरसाइकिल में कई नई लाइन्स हैं। स्ट्रीटफाइटर को सेंटर में प्रोजेक्टर हेडलैंप के साथ दो नए लाइटनिंग बोल्ट एलईडी डीआरएल के साथ एक बोल्ड हेडलैंप डिजाइन मिलता है। रियरव्यू मिरर डिजाइन में नए और स्पोर्टी हैं और ऐसा लगता है कि इन्हें नए KTM 250 Duke से उधार लिया गया है।

फ्यूल टैंक से लेकर साइड पैनल, स्प्लिट सीट और रीस्टाइल्ड टेल सेक्शन तक बहुत सारी शार्प लाइन्स हैं। इसके अलावा, अपडेटेड NS400Z एक बॉक्स सेक्शन स्विंगआर्म के साथ आती है, जबकि चेसिस NS200 को रेखांकित करने वाले पैरीमीटर फ्रेम का एक अपडेटेड वर्जन नजर आती है।

फीचर्स और स्पेसिफेशन

बाइक में गोल्ड-फिनिश यूएसडी फ्रंट फोर्क्स और रियर में एक मोनोशॉक भी मिलता है, जबकि ब्रेकिंग परफॉर्मेंस डुअल-चैनल एबीएस के साथ दोनों सिरों पर डिस्क ब्रेक के साथ आती है। इसके अलावा, NS400Z में एक एलसीडी डिस्प्ले मिलता है। इसमें टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन के साथ ब्लूटूथ कनेक्टिविटी मिलती है।

इंजन और परफॉरमेंस

नई पल्सर NS400Z में पावर पुराने KTM 390 ड्यूक और बजाज डोमिनार 400 पर देखे गए परिचित 373 सीसी इंजन से आती है। मोटर समान 39 bhp और 35 Nm का पीक टॉर्क पैदा करता है, जिसे 6-स्पीड गियरबॉक्स और एक स्लिप-असिस्ट क्लच के साथ जोड़ा गया है। NS400 की टॉप स्पीड 154 किमी प्रति घंटा है।

बजाज की पहली CNG बाइक इस दिन होगी लॉन्च, कंपनी ने शेयर की महत्वपूर्ण जानकारी

Bajaj Auto की ओर से दुनिया की पहली CNG Bike लॉन्च की जाएगी। नई बजाज सीएनजी मोटरसाइकिल को कई मौकों पर स्पॉट किया जा चुका है। टेस्टिंग बाइक में एक बड़ा फ्यूल टैंक दिखाई देता है जो डुअल फ्यूल सिस्टम की ओर इशारा करता है। कंपनी की आगामी पेशकश एक कम्यूटर होगी और ये 100-125 सीसी के आसपास होने की संभावना है।

नई दिल्ली। बजाज ऑटो ने कहा है कि 18 जून, 2024 को कंपनी की ओर से दुनिया की पहली सीएनजी मोटरसाइकिल लॉन्च की जाएगी। बजाज ऑटो के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज ने नई Pulsar NS400Z के लॉन्च के मौके पर ये जानकारी दी।

बजाज सीएनजी मोटरसाइकिल में क्या खास?

नई बजाज सीएनजी मोटरसाइकिल को कई मौकों पर स्पॉट किया जा चुका है। टेस्टिंग बाइक में एक बड़ा फ्यूल टैंक दिखाई देता है, जो डुअल फ्यूल सिस्टम की ओर इशारा करता है। कंपनी की आगामी पेशकश एक कम्यूटर होगी और ये 100-125 सीसी के आसपास होने की संभावना है।

टेस्टिंग बाइक को टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स, रियर में मोनोशॉक, डिस्क और ड्रम ब्रेक सेटअप के साथ देखा गया था। सुरक्षा मानदंडों को पूरा करने के लिए बाइक सिंगल-चैनल एबीएस या कॉम्बी-ब्रेकिंग से लैस हो सकती है।

संभावित नाम

नई सीएनजी बाइक का नाम क्या होगा, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। बजाज ने हाल ही में ब्रुजर नाम को ट्रेडमार्क किया है, जो मोटरसाइकिल का आधिकारिक नाम हो सकता है। उम्मीद है कि पहली बजाज सीएनजी बाइक भविष्य में और अधिक सीएनजी मॉडल के लिए रास्ता बनाएगी।

Pulsar NS400Z की हुई एंट्री

घरेलू निर्माता ने हाल ही में भारतीय बाजार में अपनी फ्लैगशिप पल्सर लॉन्च की है। इसे Pulsar NS400Z नाम दिया गया है और इसकी कीमत 1.85 लाख रुपये एक्स-शोरूम है।

Pulsar NS400Z को पावर देने वाला वही इंजन है, जो डोमिनार 400 पर काम करता है। ये एक लिक्विड-कूल्ड 373 सीसी यूनिट है, जो 8800 आरपीएम पर 39 बीएचपी की अधिकतम पावर और 6500 आरपीएम पर 35 एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट देता है। ऑन ड्यूटी गियरबॉक्स स्लिप और असिस्ट क्लच के साथ 6-स्पीड यूनिट है। इसमें राइड-बाय-वायर, राइडिंग मोड, ट्रैक्शन कंट्रोल के साथ-साथ ABS मोड भी उपलब्ध हैं।

टेस्ला मॉडल S और मॉडल X पर अमेरिका में चल रही जांच हुई खत्म, जानिए क्या है वजह

NHTSA ने शुक्रवार को कहा कि उसने लगभग 158716 टेस्ला के मॉडल एक्स और मॉडल एस वाहनों में रियर-व्यू कैमरों के नुकसान की जांच के लिए खोले गए इंजीनियरिंग विश्लेषण को बंद कर दिया है। इसमें कहा गया है ओडीआई का मानना है कि ड्राइवर को सुरक्षा कार्य प्रदान करने वाले घटक के लिए 5 या 6 साल की जीवन प्रत्याशा अपर्याप्त है।

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन (NHTSA) ने शुक्रवार को कहा कि उसने लगभग 158,716 टेस्ला के मॉडल एक्स और मॉडल एस वाहनों में रियर-व्यू कैमरों के नुकसान की जांच के लिए खोले गए इंजीनियरिंग विश्लेषण को बंद कर दिया है।

क्या है पूरा मामला?

सुरक्षा नियामक ने कहा कि टेस्ला द्वारा वाहनों को वापस बुलाने से कंपोनेंट की विफलता से उत्पन्न जोखिम का पता चलता है और वह वापस बुलाने की प्रभावशीलता की निगरानी करना जारी रखेगा। नियामक के दोष जांच कार्यालय (ODI) ने पाया कि जिस कंपोनेंट के कारण रियर-व्यू कैमरे में खराबी आई, उसका जीवनकाल सीमित है और एक बार उपभोग होने के बाद वह काम नहीं करेगा।

Tesla ने दिया ये जवाब

इसमें कहा गया है, ₹ओडीआई का मानना है कि ड्राइवर को सुरक्षा कार्य प्रदान करने वाले घटक के लिए 5 या 6 साल की जीवन प्रत्याशा अपर्याप्त है।₹ एजेंसी के मुताबिक, टेस्ला ने कहा कि मेमोरी डिवाइस की सीमित भंडारण क्षमता को देखते हुए सभी यूनिट अनिवार्य रूप से विफल हो जाएंगी।

इसके अलावा कंपनी ने पिछले महीने एक्सेलेरेटर पैडल पैड को ठीक करने के लिए 3,878 साइबरट्रक को वापस बुलाया था, जो ढीला हो सकता था और इंटीरियर ट्रिम में फंस सकता था।

गर्मियों में ऐसे रखें अपनी गाड़ी का ख्याल, इन तरीकों से हमेशा कूल रहेगी आपकी कार

अपने वाहन को सीधी धूप से बचाने के लिए छायादार क्षेत्रों जैसे पेड़ के नीचे इमारत या ढकी हुई पार्किंग की तलाश करें। इसके अपनी कार को पार्क करने से पहले और उसकी सेफ्टी सुनिश्चित करने के बाद आप गर्म हवा को बाहर निकलने और वेंटिलेशन बनाए रखने के लिए विंडो को थोड़ा सा खोल दें। आइए सभी जरूरी टिप्स जान लेते हैं।

नई दिल्ली। समूचे भारत में तापमान बढ़ रहा है और इस चिलचिलाती गर्मी में हमें अपने साथ-साथ अपनी गाड़ी का ख्याल रखना भी जरूरी है। गर्मियों में कार की पार्किंग को लेकर कुछ चीजों का ध्यान रखना चाहिए। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

कार को शेड में पार्क करें

अपने वाहन को सीधी धूप से बचाने के लिए छायादार क्षेत्रों, जैसे पेड़ के नीचे, इमारत या ढकी हुई पार्किंग की तलाश करें। यहां तक कि छाया में कुछ मिनट बिताने से भी आपकी कार को ओवन में बदलने से रोका जा सकता है।

विंडशील्ड के लिए सनशेड खरीदें

कार की विंडशील्ड को प्रोटेक्ट करने के लिए आप एक सनशेड खरीद सकते हैं। ऐसा करके आप सीधी धूप को रोककर अपनी कार के आंतरिक तापमान को काफी कम कर सकते हैं। मार्केट में कई रिफ्लेक्टिव सन शेड्स उपलब्ध हैं।

कुछ देर तक विंडो खुला रखें

अपनी कार को पार्क करने से पहले और उसकी सेफ्टी सुनिश्चित करने के बाद आप गर्म हवा को बाहर निकलने और वेंटिलेशन बनाए रखने के लिए विंडो को थोड़ा सा खोल दें। हालांकि, आपको ये काम 8-10 मिनट के लिए करना है। जैसा ही गाड़ी का केबिन सामान्य तापमान पर आ जाए, चारों विंडो को पूरी तरह से बंद कर दें।

विंडो टिंटिंग करा लें

क्वालिटी विंडो टिंटिंग में इन्वेस्ट करने से आपकी कार के इंटीरियर में होने वाली गर्मी को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हालांकि, ये ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कार की खिड़कियों के सामने और पीछे के शीशों के लिए मिनिमम विजिबिलिटी 70 प्रतिशत और साइड के शीशों के लिए 50 प्रतिशत होनी चाहिए। ऐसे में नियम के अनुसार ही कार में विंडो टिंटिंग कराएं।

दुबई में गाड़ी गंदी होने पर क्यों देना पड़ता है भारी-भरकम जुर्माना? वजह जान चौंक जाएंगे

परिवहन विशेष न्यूज

UAE के दुबई शहर में नियम है कि अगर कोई अपनी गंदी कार को सार्वजनिक पार्किंग या सड़क पर पार्क करता है तो उसे 500 दिरहम (लगभग 11 हजार रुपये) का जुर्माना भरना पड़ेगा। Dubai में यह नियम 2019 में लाया गया था। सख्त नियम और पानी की महंगाई के चलते दुबई में वाटरलेस वॉशिंग एक बेहतर समाधान बनकर उभरा है।

नई दिल्ली। सड़क पर सिग्नल तोड़ना, बिना हेलमेट ड्राइविंग करना, सीटबेल्ट ना लगाने जैसी चीजों को लेकर अमूमन चालान होते रहते हैं। क्या आपने सुना है कि गाड़ी गंदी होने पर किसी को भारी-भरकम चालान भरना पड़ गया?

दरअसल, UAE के दुबई शहर में नियम है कि अगर कोई अपनी गंदी कार को सार्वजनिक पार्किंग या सड़क पर पार्क करता है, तो उसे 500 दिरहम (लगभग 11 हजार रुपये) का जुर्माना भरना पड़ेगा। Dubai में यह नियम 2019 में लाया गया था।

आइए, जान लेते हैं कि इस नियम को लाने के पीछे क्या कारण है? साथ ही ये भी जानेंगे कि लोग पानी की महंगाई के बीच अपनी कार को साफ रखने के लिए किस तकनीक का इस्तेमाल करते हैं।

क्यों बना ये नियम?

नियम लाने से पिछले कई सालों में दुबई में देखा गया था कि वहां लोग अपनी गाड़ियां सड़क किनारे पार्क करके लंबी छुट्टियों पर चले जाते थे। कई दिनों तक सड़क किनारे वाहन खड़े रहने से उन पर धूल जम जाती है। साफ-सफाई रखने की वजह से ही दुबई में धूल भरी या गंदी गाड़ियों पर जुर्माना लगाया जाने लगा।

'वाटरलेस वॉशिंग' है बेहतर विकल्प

सख्त नियम और पानी की महंगाई के चलते दुबई में 'वाटरलेस वॉशिंग' एक बेहतर समाधान बनकर उभरा है। वहीं, दुबई एक बहुत ही व्यस्त शहर है और यहां के लोगों के पास हर दिन अपनी कार धोने का समय नहीं है।

इस तकनीक में पानी का उपयोग नहीं होता है, जो इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाता है। सफाई के लिए स्टार्टअप ई-स्कूटर का उपयोग करता है, जो डिटर्जेंट, पानी और ब्रश जैसी सामग्रियों से लैस होते हैं। इसमें एक स्प्रे बोतल होती है, जिसमें वॉशिंग सॉल्यूशन होता है।

हीरो मोटोकॉर्प ने April 2024 में भी बरकरार रखी नंबर-1 की पोजीशन, मावरिक 440 और एक्सट्रीम 125R की दम पर और बढ़ेगी सेल

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी Hero MotoCorp ने बताया है कि उन्होंने अप्रैल 2024 में 5,33,585 से अधिक यूनिट सेल करने के साथ नए वित्तीय वर्ष की बेहतरीन शुरुआत की है। यह इसी महीने (अप्रैल 2023) की तुलना में 34.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है, क्योंकि निर्माता ने उस समय 3.96 लाख यूनिट बेची थीं।

Hero MotoCorp की सेल्स रिपोर्ट

घरेलू दोपहिया वाहन निर्माता की मोटरसाइकिल बिक्री अप्रैल'24 में 4,96,542 यूनिट और अप्रैल'23 में 3,68,830 यूनिट रही। अप्रैल'24 में स्कूटरों की बिक्री 37,043 यूनिट और अप्रैल'23 में 27,277 यूनिट रही। अप्रैल'24 और अप्रैल'23 के लिए कुल घरेलू बिक्री 5,13,296 यूनिट और 3,86,184 यूनिट थी। फिर निर्यात में अप्रैल'23 में 9,923 यूनिट से अप्रैल'24 में 20,289 यूनिट की भारी बढ़ोतरी देखी गई।

Mavrick 440 की दम पर बढ़ेगी सेल

हीरो मोटोकॉर्प ने हाल ही में अपनी फ्लैगशिप मोटरसाइकिल Hero Mavrick 440 की कस्टमर डिलीवरी शुरू कर दी है। हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. पवन मुंजाल ने हीरो प्रीमिया आउटलेट और गुरुग्राम में एक विशेष रूप से आयोजित कार्यक्रम में चुनिंदा ग्राहकों को बाइक सौंपी थी। मावरिक 440 केवल हीरो मोटोकॉर्प की प्रेमिया डीलरशिप के माध्यम से बेची जा रही है।

हीरो मैवरिक 440 को तीन वेरिएंट्स - बेस, मिड और टॉप में पेश किया गया है। इसकी कीमत 1.99 लाख रुपये, 2.14 लाख रुपये और 2.24 लाख रुपये है। आपको बता दें कि ये सभी कीमतें एक्स-शोरूम हैं।

छात्र प्रदर्शनों ने खोली अमरीकी पाखंड की पोल

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

इजरायल और हमास में जंग रुकने का नाम नहीं ले रही। आतंकवादी संगठन हमास ने इजराइल के अनेकों नागरिकों को बन्धक बना रखा है। इस मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों में जंग चल रही है जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। लेकिन न हमास बन्धकों को छोडने को तैयार है और न इजराइल बिना बन्धकों को मुक्त कराए जंग रोकने को तैयार है। कहीं कहीं मामला यहूदी बनाम मुसलमान भी बनता जा रहा है। अब तो मुसलमान के अतिरिक्त शिया मजहब का पैरोकार इरान भी हमास के पक्ष में कूद पड़ा है जबकि पाकिस्तान में मुसलमान शिया मजहब वालों के इबादतखानों पर लगातार हमला करते रहते हैं। लेकिन हमारा मकसद इजरायल-हमास की इस लड़ाई पर चर्चा करना नहीं है और न ही यहूदी-मुसलमान-शिया के इतिहास की भीतरी परतों को उखाडना है। हमारा मकसद इस जंग से पैदा हुए एक दूसरे हालात की चर्चा करना है जिसने अमरीका की पोल खोल दी है। इस जंग को लेकर अमरीका के विश्वविद्यालयों में एक जोरदार बहस छिड़ गई है जिसमें अध्यापक और शागिर्द दोनों ही पूरे जोश से हिस्सेदारी कर रहे हैं। इस विषय को लेकर विचार गोष्ठियां हो रही हैं। इन विचार गोष्ठियों में कोई इजराइल का पक्ष लेता है और कोई फिलस्तीन का पक्ष लेता है। लेकिन मामला यहीं तक रहता तब कोई बखेड़ा खड़ा नहीं होता। अमरीका अपने आप को मानव अधिकारों और विचार स्वतंत्रता का सबसे बड़ा अलम्बरदार मानता और मनवाता है। इसलिए ये विचार गोष्ठियां उसकी इस छवि को निखारने वाली ही थीं। लेकिन मामला विचार गोष्ठियों तक नहीं रहा। मामला आगे बढ़ गया।

छात्र और अध्यापक गोष्ठी कक्षों से बाहर निकल कर विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन करने लगे। जिंदाबाद-मुर्दाबाद से परिसर गूंजने लगे। कहीं प्रदर्शन इजराइल के पक्ष में हो रहा है और कहीं प्रदर्शन फिलस्तीन के पक्ष में हो रहा है। अनेक स्थानों पर तो प्रदर्शनकारी धरने पर ही बैठ गए। अब अमरीका में बहुत लम्बे अरसे से खड़ी स्वतंत्रता की देवी हिलने लगी। वह भी गुस्से में आ गई लगती है। उसका मानना है कि 'इस प्रकार' की स्वतंत्रता ठीक नहीं है। 'उस प्रकार' की स्वतंत्रता ही ठीक है। शुरू में यह समझ में नहीं आ रहा था कि इनसे क्या अभिप्राय है, लेकिन जल्दी ही मामला स्पष्ट हो गया जब पुलिस ने इजरायल के पक्ष में प्रदर्शन कर रहे छात्रों को तो कुछ नहीं कहा, लेकिन फिलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे छात्रों की धर पकड़ शुरू कर दी। कोलम्बिया विश्वविद्यालय में तो पुलिस की बर्बरता ने सभी हदें पार कर दीं। विश्वविद्यालय के अधिकारियों की अनुमति के बिना ही पुलिस विश्वविद्यालय परिसर में घुस गई। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों तक को हथकडियां लगाई गईं और धक्के मार मार कर उन्हें पुलिस की गाडियों में ठूंस दिया गया। छात्रों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उनका विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रतिबन्धित कर दिया। उनकी एडमिशन तक कैंसिल की जाने लगी। दरअसल इस जंग में अमरीका इजराइल का साथ दे रहा है। उसे अरबों रुपए के हथियार बेच रहा है।

इसलिए जब विश्वविद्यालयों में इजराइल के पक्ष में प्रदर्शन होते हैं तो वे अमरीका की स्वतंत्रता की देवी के हिसाब किताब से 'इस प्रकार' की स्वतंत्रता में आते हैं। जो फिलस्तीन के हक में प्रदर्शन होते हैं, वे 'उस प्रकार' की स्वतंत्रता के घेरे में आते हैं, जिसकी अनुमति अब अमरीका देने को तैयार नहीं है। इस मामले में कुछ भारतीय छात्रों को भी पकड़ लिया गया है। हम यहां इस बात की चर्चा नहीं कर रहे कि इजराइल ठीक है या हमास-फिलस्तीन। हमारी चर्चा अमरीका के पाखंड की है जिसकी परतें खुल रही हैं। अमरीका सारी दुनिया को उपदेश ही नहीं देता बल्कि 'विचार स्वतंत्रता' के नाम पर दुनिया में थानेदार की भूमिका निभाने की कोशिश भी करता रहता है। फिलस्तीन के पक्ष में जिन भारतीय छात्रों को अमरीका ने पकड़ा है, मान लीजिए वही छात्र भारतीय विश्वविद्यालय में फिलस्तीन के पक्ष में प्रदर्शन करते और विश्वविद्यालय उन पर एक्शन करता तो अमरीका फतवा जारी करना शुरू कर देता कि भारत में तानाशाही आ रही है। विचार स्वतंत्रता का गला घोंटा जा रहा है। लेकिन जहां तक उसके अपने घर में यही मसला सामने आता है तो वह विचार स्वतंत्रता का गला घोंट ही नहीं रहा बल्कि उसको काट रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि अमरीका पुलिस के खुफिया लोग विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेकर छात्रों और प्राध्यापकों की जासूसी करते हैं, उनके व्यक्तिगत जीवन में तांकझांक करते हैं ताकि यह पता रहे कि कौनसे लोग इजराइल को लेकर अमरीका की घोषित नीति के खिलाफ हैं। यह सब तब हो रहा है जब अमरीका के तथाकथित बुद्धिजीवी जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय के टुकड़े टुकड़े गैंग का विचार स्वतंत्रता के नाम पर समर्थन करते देखे जाते हैं। इजराइल-फिलस्तीन का मसला ऐसा पहला मसला नहीं है जिसमें अमरीका अपने असली रूप में सामने आया है।

ऐसे अनेकों मसले हैं जिन पर अमरीका और उसके सत्ताधीश अपना असली रूप दिखाते रहते हैं। मसलन पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प का मसला ही ले लिया जाए। वे एक बार फिर राष्ट्रपति का चुनाव लडने के लिए मैदान में हैं। उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी ने उन्हें मैदान में उतारने का ऐलान कर दिया है। कुछ महीने में ही चुनाव होने वाले हैं। मौजूदा राष्ट्रपति भी मैदान में हैं। उनको लगता है कि शायद वे चुनाव के मैदान में तो ट्रम्प का मुकाबला शायद न कर पाएं, इसलिए वे कचहरियों की मदद से ट्रम्प को मैदान से बाहर करना चाहते हैं। उनका मकसद है किसी तरह किसी केस में कचहरी ही उन पर चुनाव लडने का प्रतिबन्ध लगा दे। यह सब कुछ भी स्वतंत्रता की देवी के नाम पर ही किया जा रहा है। लेकिन मान लो भारत में कोई कचहरी किसी प्रत्याशी को किसी मामले में सजा सुना देती है जिसके चलते वह चुनाव लडने के अयोग्य हो जाता है तो अमरीका फतवे जारी करता है। दूसरों को नसीहत और खुद मियां फजीहत। यदि थोड़ा और पीछे जाएं तो अफ्रीकी मूल के अमरीकी नागरिकों के साथ जो व्यवहार अमरीकी सत्ता करती है, वह किसी से छिपा नहीं है। चोरी कहीं भी हो, अमरीकी पुलिस तुरन्त किसी अफ्रीकी मूल के व्यक्ति को गिरफ्तार कर लेती है।

ऐसे किसी व्यक्ति को किसी छोटे से बहाने पर किसी काले नागरिक को गोली मार देना, अमरीका में कोई आश्चर्य की बात नहीं होती। एक भारतीय महिला को अपनी कार से कुचलने वाले पुलिस अधिकारी, उसको अस्पताल में पहुंचाने की बजाय जब आपस में हंस हंस कर कह रहे थे कि इन लोगों की औकात ही क्या है, को न्यायालय ने बरी कर दिया तो वहां के मीडिया के माथे पर शिकन तक नहीं पड़ी। ये सब उदाहरण अमरीका के पाखंड की पोल खोलने के लिए काफी हैं। दरअसल अमरीका जब मानव अधिकारों और विचार स्वतंत्रता की बात करता है तो वह उसके राजनीतिक व रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए ही होती है। वह चीन को अपनी सुविधा के लिहाज से प्रमाणपत्र देता है। उसके लिहाज से पाकिस्तान से बड़ा कोई लोकतांत्रिक देश नहीं है। वैसे यह भी हैरानी की बात है कि अमरीका दुनिया में ज्यादातर उन्हीं देशों का समर्थन करता है जो निरंकुश सत्ता के पालक हैं। अमरीका की विचार स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की नीतियां केवल उसकी विदेश नीति के हथियार हैं जिनके अर्थ उसके अपने हितों के अनुसार बदलते रहते हैं। अमरीकी विश्वविद्यालयों में पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों से किया जा रहा बर्बर व्यवहार इसका प्रतीक है। भारत को लेकर उसके व्यवहार का कारण विचार स्वतंत्रता नहीं बल्कि 'कलैश ऑफ सिविलाईजेशन' ही कहा जा सकता है।

वैसे यह भी हैरानी की बात है कि अमरीका दुनिया में ज्यादातर उन्हीं देशों का समर्थन करता है जो निरंकुश सत्ता के पालक हैं। अमरीका की विचार स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की नीतियां केवल उसकी विदेश नीति के हथियार हैं जिनके अर्थ उसके अपने हितों के अनुसार बदलते रहते हैं'

संपादक की कलम से

स्कूलों को मौत की धमकी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-नोएडा के 222 स्कूलों को बम से उड़ा देने की धमकी ने एकबारगी तो सभी को कंपा दिया। हडक़ंप मच गया। लाखों लोग सन्नाटे में आ गए। अभिभावक घर से भागे, दफ्तर का काम छोड़ा और स्कूलों की तरफ बदहवास दौड़े, ताकि अपने बच्चों को सकुशल घर वापस ला सकें। सडक़ों पर सायरन बज रहे थे। फायर ब्रिगेड की गाडियां भी भाग रही थीं। दिल्ली पुलिस के बम निरोधक दस्तों, श्वान दस्तों और अन्य जांच इकाइयों ने अपने-अपने मोर्चे संभाल लिए थे। दिन की शुरुआत किसी बड़े हादसे की संभावनाओं के साथ हुई थी। जिस ई-मेल आईडी-स्वारीम एट मेल डॉट आरयू- से स्कूलों को धमकी भेजी गई थी, उसकी शब्दावली आतंकी संगठन आईएसआईएस की भाषा से मिलती थी। ये शब्द अरबी भाषा के हैं, जिन्हें आईएस के आतंकी इस्तेमाल करते रहे हैं। रूसी डोमेन से मेल की गई थी। पुलिस का मानना है कि संभव है कि इसके लिए 'डार्कनेट' या 'प्रॉक्सी सर्वर' का प्रयोग किया गया हो! पुलिस की आतंकवाद विरोधी ईकाई, स्पेशल सेल भी जांच में जुड़ी है। साजिशकार कहीं बैठकर भी ये मेल भेज सकते थे। रूस में होना जरूरी नहीं है। रूस भारत के खिलाफ किसी 'हत्यारी साजिश' में शामिल क्यों होगा? क्या यह किसी आतंकी हमले का पूर्वाभ्यास भी हो सकता है?

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और नोएडा के अलावा बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई सरीखे महानगरों के स्कूलों में भी ऐसी फर्जी और अफवाह वाली मेल भेजी जा चुकी हैं। क्या आतंकी ताकतें हमारी व्यवस्था को सचेत कर, अंततः लापरवाह कर देना चाहती हैं, ताकि असल हमला किया जा सके। बेशक 8 घंटों की मशक्कत के बाद पुलिस और गृह मंत्रालय इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि सब कुछ फर्जी था, अफवाह थी, लेकिन 2 लाख से अधिक स्कूली बच्चों की सुरक्षा दांव पर है। दिल्ली में आतंकी हमले होते रहे हैं, बेशक मोदी सरकार में वे नगण्य हो गए हैं। ऐसी अफवाहें भी 'साइबर अपराध' का हिस्सा हैं, जिसके खिलाफ कार्रवाई के लिए सीमापार पुलिस को भी सक्रिय होने की जरूरत है। दिल्ली-एनसीआर में जो कुछ भी हुआ है, वह धडक़नें रोक देने वाला प्रकरण है। एक तरफ मौत की धमकी थी, तो दूसरी ओर गृह मंत्रालय और पुलिस दहशत में न आने की बात कह रहे थे। शुक्र है कि मेल फर्जी, अफवाहपूर्ण साबित हुई, लेकिन बड़ी त्रासदी भी हो सकती थी। इन स्कूलों में 2 लाख से अधिक बच्चे पढ़ते हैं, अध्यापक और कर्मचारी भी हैं। यदि वाकई बम रखे होते और वे विस्फोट कर जाते, तो कल्पना करते हुए भी मन सिहरने लगता है! पाकिस्तान में फर्जी सिलसिलों के बाद अचानक पेशावर के स्कूल पर आतंकी हमला किया गया था, जिसमें करीब 140 मासूम छात्र मारे गए थे। पाकिस्तान को तो हम आतंकवाद की पनाहगाह मान सकते हैं, लिहाजा ऐसे हमले की कल्पना भी कर सकते हैं, लेकिन हमारे कोलकाता के करीब 200 सरकारी और निजी स्कूलों को इसी अप्रैल में ही, ई-मेल के जरिए, बम-विस्फोट की धमकी दी गई थी। 1 दिसंबर, 2023 को बेंगलुरु के 48 स्कूलों में बम की अफवाह फैलाई गई थी। फरवरी, 2024 में चेन्नई के 13 स्कूलों को ऐसी ही धमकी भेजी गई थी। क्या स्कूल ही किसी संगठन या साजिशकार के आसान निशाने पर हैं? ई-मेल की भाषा इतनी नफरत भरी थी कि हिंदुस्तान की व्यवस्था को 'काफिर' कहा गया था। आठ बार 'इंशाल्लाह' या 'अल्लाह' लिखा गया था, लिहाजा साफ संकेत है कि किस जमात ने वह मेल भेजी होगी! इन ई-मेल के मूल तक पहुंचना या साजिशकार का चेहरा चिह्नित करना लगभग 'असंभव' है, क्योंकि ई-मेल भेजने के बाद अकाउंट ही समाप्त कर दिया गया है।

राय

वाहन रफ्तार के हमले

हम वाहन चला नहीं रहे, बल्कि रफ्तार को हमलावर बना रहे हैं। इसी रविवार के दृष्टांत में देखें तो वाहनों की गति व भौगोलिक परिस्थिति ने लील दिए छह लोग। ठियोग की खाई में गिरे वाहन ने दो यात्रियों की ईहलीला खत्म की दी, हाटकोटी का मलबा वाहन को लपेट कर दो लोगों के लिए घातक बना। ऊना-चंडीगढ़ मार्ग पर रफ्तार ने यमदूत बन कर दो युवकों को काल का ग्रास बना दिया, जबकि बिलासपुर में ट्रक की टक्कर ने एचआरटीसी की बस को पुल के नीचे लुढक़ा दिया। गनीमत यह कि इस दुर्घटना में चोटिल होने के बावजूद यात्री बाल-बाल बच गए, वरना मौत के दृश्य हम अपनी करनी से पैदा कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल में अधिकांश सडक़ें तंग हैं, लेकिन जीवन को गति देने के प्रयास में वाहन चालन के नियम और सडक़ पर शिष्टाचार लगभग समाप्त है। वाहनों का पंजीकरण अगर साढ़े बाईस लाख से ऊपर पहुंच चुका है, तो इतने ही बाहरी राज्यों के वाहन सडक़ों पर दौड़ रहे हैं। सडक़ों का विस्तार व इनका चौड़ाकरण अपने आप में एक सुखद एहसास है, लेकिन हिमाचल में वाहन चालन की परिपाटी बिगडैल हो रही है। दोपहिया वाहन और आवारा पशु, किसी भी बड़े वाहन को चुनौती दे सकते हैं, जबकि निजी बसें, टैक्सियां और स्थानीय ट्रांसपोर्ट की जरूरतें दबाव बढ़ा रही हैं। अभी पर्यटन सीजन शुरू हो चुका है, लेकिन पुलिस पैट्रोलिंग सिर्फ चालान काटकर अव्यवस्था में शिरकत कर रही है। पर्यटन सीजन में वाहन दुर्घटनाओं के आंकड़ों पर गौर करें, तो यातायात पुलिस का हुलिया बदलने की जरूरत है।

न हम रोकते और न ही टोकते हैं, बल्कि आज भी ट्रक-ट्रैक्टर ट्रॉलियों में भर कर श्रद्धालु मंदिर पर्यटन के अभिप्राय बन जाते हैं। स्थानीय यातायात में निजी वाहनों पर बढ़ती निर्भरता और आवाजाही में कर्मचारी वर्ग द्वारा वाहनों का अधिकतम प्रयोग, सडक़ पर उच्छृंखलता बढ़ा रहा है। ऐसे में जरूरत है कि वाहन चालकों को नियमों का भय और चलने की सभ्यता सिखाई जाए। आखिर हिमाचल को चलाने के लिए कितने वाहन चाहिए और उनके कौन से मॉडल उपयुक्त हैं। आज भी प्रदेश की कुछ सडक़ें जिस भौगोलिक स्थिति का प्रतिनिधित्व करती हैं, वहां पेट्रोल बचाने के लिए कुछ वाहन चालक खतरनाक ढर्रे को अंजाम देते हैं या ओवरटेकिंग की कला जोर जबरदस्ती के आलम में भयावह प्रतीत होती है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम न तो यातायात के दबाव समझ पा रहा है और न ही इसके निर्देश तय कर पा रहा है। नतीजतन रूट परमिट आबंटन के कारण सडक़ों पर वाहनों की प्रतिस्पर्धा, रुकने व सवारी उतारने-चढ़ाने की लापरवाही तथा ओवरटेकिंग के मंसूबे आत्मघातक होकर कई बार मौत के अंजाम तक पहुंच रहे हैं। वाहनों की बढ़ती खरीद, ड्राइविंग में बढ़ती स्पीड और आधुनिक जीवन शैली की व्यस्तता में बढ़ती लापरवाही ने हिमाचल का सुकून छीन लिया है।

परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए ड्राइविंग शिष्टाचार को सिर्फ पुलिस पैट्रोलिंग ही सुधार सकती है, जबकि सिटी व इंटरसिटी बस सेवाओं को सक्षम व निजी वाहनों की तरह समय का पाबंद बनाना होगा। सार्वजनिक परिवहन के विभिन्न विकल्पों पर महापरियोजनाओं पर काम करना पड़ेगा, क्योंकि सडक़ों की चौड़ाई को बढ़ाते हुए हम पहाड़ों को अस्थिर कर रहे हैं। ऐसी कई दुर्घटनाएं पेश आ रही हैं जहां पहाड़ का खोखला वजूद टूट कर किसी वाहन को घातक अंजाम तक पहुंचा गया। ऐसे में हिमाचल को अपनी भौगोलिक संरचना, विकास की भूमिका, जीवनशैली में परिवर्तन, पर्यटन की मांग तथा शहरीकरण के विस्तार को देखते हुए नई परिवहन एवं यातायात नीति के तहत दिशा निर्देश तय करने पड़ेंगे।

भूपिंद्र सिंह

भाजपा के घोषणापत्र में ओलंपिक 2036

इन खेल छात्रावासों में दाखिल होने के अवसर न के बराबर होते हैं। इसलिए स्कूल के बाद महाविद्यालय स्तर पर खेल विंग मिलना जरूरी हो जाता है'

हिमाचल प्रदेश में देश के अन्य राज्यों की तरह लोकसभा व विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार जोरों पर है, मगर पिछले चुनावों से अलग इस बार भी खेल व मानव फिटनेस भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिकताओं में नजर आ रहा है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में ओलंपिक 2036 भारत में आयोजित करने का जिक्र किया है। देश में ओलंपिक खेलों का आयोजन होने से देश को खेलों व फिटनेस के क्षेत्र में बहुत सुधार होने की उम्मीद है। पहले भाजपा और अब कांग्रेस सरकार ने हिमाचल प्रदेश में नई खेल नीति तो बना दी है, उस नई बनाई नीति में स्कूली स्तर पर विद्यार्थी की फिटनेस के बारे में कुछ भी नहीं है कि कैसे फिटनेस होगी और फिर उसके मूल्यांकन की क्या रूपरेखा होगी। प्रदेश में आज विद्यार्थी की फिटनेस के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है। इसलिए फिटनेस मूल्यांकन कर उस पर सुझावों के लिए कार्यक्रम बहुत ही जरूरी है। कौन कौन राजनीतिक दल इस बेहद जरूरी व नाजुक मुद्दे पर देश व हिमाचल प्रदेश के किशोरों व युवाओं के स्वास्थ्य के बारे में सही कार्यक्रम लाने के बारे में कहते हैं। पूरे संसार में खिलाड़ी महाविद्यालय व विश्वविद्यालय खेलों से निकलते हैं, मगर भारत में महाविद्यालय स्तर पर खेलों की स्थिति दयनीय है। हिमाचल खेल संस्कृति व सुविधाओं के अभाव में पहले ही खेलों में पिछड़ा है। अगर यही व्यवस्था रही तो राज्य खेलों में और पीछे चला जाएगा।

स्कूली स्तर पर कुछ खेलों के लिए चुनिंदा स्कूलों में कामचलाऊ खेल छात्रावास तो हैं, मगर महाविद्यालय स्तर पर हिमाचल प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों के लिए खेल विंगों की व्यवस्था हो, इसके लिए पिछले कई दशकों से सरकारों को सुझाव दिए जाते रहे हैं, मगर आज तक किसी भी सरकार ने हिम्मत नहीं दिखाई है। कौन दल हिमाचल प्रदेश में खेल विंगों की बात करता है? हिमाचल के कई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्टार हैं, मगर उनके साथ हिमाचल का नाम नहीं है। उन्हें अपने ही राज्य में न तो परिचय मिला और न ही प्रश्रय, क्योंकि उन्हें तराशने का काम हिमाचल ने नहीं, औरों ने किया है। इसका उदाहरण हम हर ओलंपिक व अन्य अंतरराष्ट्रीय खेलों में जीते हिमाचली खिलाडियों के खेल जीवन पर अध्ययन करते हुए साफ देख सकते हैं कि उन्होंने हिमाचल के बाहर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया है। क्या हिमाचल प्रदेश सरकार अच्छे प्रशिक्षक व खेल प्रशिक्षण सुविधा अपने यहां नहीं दे सकती है? हिमाचल में महाविद्यालय स्तर पर खेल सुविधाओं का टोटा है। पंजाब की तरह यहां अभी तक महाविद्यालय स्तर पर खेल विंग विद्यार्थी खिलाडियों के लिए उपलब्ध नहीं है। पंजाब अपने विभिन्न विश्वविद्यालयों के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालय परिसरों में खेल सुविधा के अनुसार खेल विंग चलवा कर अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेलों की प्रतिष्ठित मौलाना अब्दुल कलाम ट्राफी पर कब्जा करता रहा है तथा खेल विंगों के माध्यम से ही वह खेलों में श्रेष्ठतम रहा है। हिमाचल में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इस बार ओलंपिक के खेल परिणाम इस बात के गवाह हैं।

प्रतिभा व सुविधा के अनुसार हिमाचल प्रदेश के विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में भी सरकार खेल विंग खोलती है तो भविष्य में हिमाचल के और अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के कई महाविद्यालयों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल ढांचा तैयार खड़ा यूं ही बेकार हो रहा है। विंगों के लिए सरकार को न तो खेल ढांचा खड़ा करना पड़ता है और न ही नया छात्रावास बनाना पड़ता है। केवल खेल विशेष का प्रशिक्षक और खिलाडियों के लिए खुराक व रहने का प्रबंध करना होता है, जो आसानी से बहुत कम धन राशि खर्च करके हो सकता है। राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर, धर्मशाला, बिलासपुर व सरस्वती नगर में एथलेटिक्स के विंग आसानी से चल सकते हैं क्योंकि यहां तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक हैं और चौथी जगह सरस्वती नगर में बन रहा है। भारतीय खेल प्राधिकरण के शिलारू केन्द्र में भी दो सौ मीटर का सिंथेटिक ट्रैक बिछ गया है। विद्यालयों में भी वहां पर एथलेटिक्स की नर्सरियां स्थापित हो सकती हैं। ऊना तथा मंडी में तैराकी के लिए तरणताल उपलब्ध हैं। शिलारू व ऊना में एस्ट्रोटर्फ हाकी के लिए बिछी हुई है, मगर वहां गतिविधियां न के बराबर हैं। हिमाचल प्रदेश के हर जिला मुख्यालय व कहीं कहीं उपमंडल स्तर पर इंडोर परिसर हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार हिम्मत करे तो वहां पर कई खेलों के विंग चल सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद काफी सुधरा है। विद्यालय स्तर पर खेल छात्रावासों को आज से तीन दशक पहले शुरू कर दिया गया था। पपरोला के बास्केटबॉल खेल छात्रावास ने एक समय तक अच्छे परिणाम दिए हैं। हाकी में माजरा स्कूली खेल छात्रावास की लड़कियों ने पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल प्रदेश को पदक तालिका में स्थान दिलाया है। यदि इन लड़कियों को एस्ट्रोटर्फ मिलता है तो बात कुछ और हो सकती है। स्कूल स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिमाचल प्रदेश का प्रदर्शन सम्मानजनक खेल छात्रावासों के कारण रहता है। हिमाचल प्रदेश में स्कूली स्तर पर पपरोला में लडक़ों के लिए बास्केटबॉल, सुंदरनगर व नादौन में लडक़ों की हाकी, माजरा में लड़कियों के लिए हाकी में खेल छात्रावास चल रहे हैं। वॉलीबाल में स्कूली स्तर पर प्रशिक्षण का अच्छा प्रबंध है।

मतियाणा व रोहडू में लडक़ों को तथा कोटखाई में लड़कियों के लिए खेल छात्रावासों को वर्षों पहले से शुरू किया गया है। रोहडू में फुटबॉल का भी खेल छात्रावास है। इन छात्रावासों में अच्छे प्रशिक्षकों के साथ-साथ खेल सुविधाओं में काफी सुधार की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में भारतीय खेल प्राधिकरण ने तीस वर्ष पहले बिलासपुर व धर्मशाला में खेल छात्रावासों की शुरुआत की। दो छात्रावास ऊना तथा बिलासपुर में हैं। इन खेल छात्रावासों में अधिकांश बारह से चौदह वर्ष के बालक-बालिकाओं को ही प्रवेश मिलता है। स्कूल से निकल कर जब खिलाड़ी महाविद्यालय में प्रवेश ले रहा होता है तो उस समय उसकी उम्र अठारह वर्ष हो चुकी होती है। इसलिए इन खेल छात्रावासों में दाखिल होने के अवसर न के बराबर होते हैं। इसलिए महाविद्यालय स्तर पर खेल विंग मिलना जरूरी हो जाता है।

पूरन सरमा

किस्सा एक रिश्वतखोर अफसर का

मुझे यह तो पला चल गया था कि यह अफसर रिश्वत धड़ल्ले से खाता है-परन्तु साथ ही यह भी पला चला था कि वह रिश्वत कार में खाता है। दफ्तर अथवा घर में वह रिश्वत को हाथ भी नहीं लगाता। मेरे सामने कठिनाई यह थी कि अफसर को कार में कैसे बिठाऊं? पर भगवान बड़ा दयालु है। यह समस्या अपने आप हल हो गई। कार खुद अफसर के पास थी। उसके एक मातहत कर्मचारी ने साहब के लंच पर जाने के बहाने मुझे उसकी कार में पीछे बैठा दिया। कार चल दी, काफी देर तक चलने के बाद सिगार का धुआं छोड़ते हुए अफसर बोला-'चुपचाप माल सीटों के नीचे घुसेड़ दो।' अंधे को क्या चाहिए दो नैन, वह मिल गए। मैंने ब्रीफकेस खोलकर सौ के नोटों की दस गड्डियां ठिकाने लगा दी। कार किसी भी जगह लंच लेने नहीं रुकी। वापस हो गई। मुझे एक जगह उतार दिया और पता नहीं अफसर कहां चला गया। इस घटना के एक माह बाद मैं हैरान रह गया। मुझे उस ऑफिस में पांच लाख की सप्लाई का आदेश डाक से मिल गया। जुआ में लगाया पैसा फलीभूत हो गया। खुशी के मारे मैं उछल पड़ा। भाग कर उसी अफसर के पास पहुंचा तो अफसर ने आंखें निकाली। मैं बोला-'लंच का टाइम हो गया, चलिए टंच हो लें।' अफसर ने दफा हो जाने को कहा, मैंने कहा-'मैं ब्रीफकेस खाली करना चाहता हूं।' अफसर बोला-'दस आदमी तुम्हारे जैसे निपटा चुका हूं, अब पूरे साल मुझे रोटियां खानी हैं, रिश्वत वर्ष में केवल मार्च माह में ही खाता हूं।' मैं अफसर की ईमानदारी पर गदगद हो गया, बोला-'प्रभो, अवधि बढ़ाइये, इस एक माह की जगह दो माह कर दीजिये, यह तो बहुत कम है।' 'कोई फायदा नहीं। इतना कमा लेता हूं, पानी की तरह बहाने के बाद भी दो-चार लाख बच जाते हैं हर साल।

इसलिए आटे में नमक जितना ही पाप करता हूं मैं। भला चाहते हो तो फूट लो, वरना जो आदेश मिला है उसमें भी व्यवधान खड़े कर दूंगा।' अफसर ने कहा और मैं लौट आया। एक दिन उसी दफ्तर का वही मातहत कर्मचारी आया, बोला-'मेरा भी तो ख्याल करिये। मैंने आपका लेटर बनाकर साहब के हस्ताक्षर करवाये हैं।' मैं बोला-'ये लो सौ रुपए का नोट, परन्तु एक बात बता जा कि तेरा साहब रिश्वत कार में ही क्यों खाता है?' मातहत कर्मचारी हंसा और बोला-'अब क्या बताऊं, लक्ष्मी चंचला होती है। एक जगह नहीं ठहरती, हमारे अफसर भी चंचल हैं। दफ्तर में नेक-ईमानदार और अच्छे कहलाते हैं, घर में भजन-पूजा-पाठ करते हैं और सारी कृपा ईश्वर की मानते हैं। घर वालों को पता यह है कि सारा ठाठ मेहनत का है, इसलिए रिश्वत खाने की जगह मात्र कार ही रह गई है। भ्रष्टाचार निरोधक विभाग का भी खतरा नहीं रहता कार में।' 'भ्रष्टाचार निरोधक विभाग, यह क्या काम करता है?' मैंने पूछा। 'यह भ्रष्टाचार रोकता है और इसे बढने नहीं देता।' 'यानी जितना हो रहा है, उतना ही होता रहे।' 'नहीं, ज्यादा करना हो तो उसे भी शामिल करके भ्रष्टाचार को चरम पर पहुंचाया जा सकता है। भ्रष्टाचार निरोधक विभाग का अफसर भ्रष्टाचारियों को पकड़ कर उन्हें छोडने का काम लेता है और इस तरह देश में यथास्थिति बनाए रखता है।' कर्मचारी बोला।

इनसाइड

350 रुपये फिसला सोना, क्या अभी और नीचे जाएगा भाव?

वैश्विक संकेतों में नरमी की वजह से शुक्रवार को सोने (Gold) की कीमतों में गिरावट दिखी। दिल्ली में सोने का रेट 350 रुपये फिसलकर 72000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। यह 83500 रुपये प्रति किलो के भाव पर बनी रही।

नई दिल्ली। वैश्विक संकेतों में नरमी की वजह से शुक्रवार को सोने (Gold) की कीमतों में गिरावट दिखी। HDFC सिक्योरिटीज के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 350 रुपये फिसलकर 72,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं, चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। यह 83,500 रुपये प्रति किलो के भाव पर बनी रही।

गोल्ड के बारे में एक्सपर्ट की राय

HDFC सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के सीनियर एनालिस्ट सौमिल गांधी का कहना है कि पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। लेकिन, वैश्विक बाजार में सुस्ती के चलते इसमें 350 रुपये की गिरावट आई।

सौमिल ने कहा, 'बाजार को चिंता है कि अमेरिका का सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व अभी ब्याज दरों में कटौती में ज्यादा वक्त ले सकता है, क्योंकि अभी उसे महंगाई बढ़ने का खतरा है। वहीं, इजरायल और हमास के बीच सीजफायर की संभावनाओं के चलते भी सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने के भाव में गिरावट आई है।'

ट्रेन ड्राइवरों इन मांगों के समाधान के लिए राजी हुई सरकार, समिति का किया गठन

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय रेलवे के लोको रनिंग स्टाफ के लिए ड्यूटी के दौरान भोजन और नेचर कॉल अटेंड करने के लिए निर्धारित समय का छोटा ब्रेक देने और तौर-तरीकों पर काम करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है। आईएलओ के 1919 के सम्मेलन में पहली बार श्रमिकों को ड्यूटी के घंटों के दौरान आराम के अंतराल का अधिकार दिया गया और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लागू किया गया।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ट्रेन चालकों की भोजन और शौच के लिए निश्चित ब्रेक देने की लंबे समय से चली आ रही मांग का समाधान निकालने पर सहमत हो गई है। श्रम मंत्रालय ने भारतीय रेलवे के लोको रनिंग स्टाफ के लिए ड्यूटी के दौरान भोजन और नेचर कॉल अटेंड करने के लिए निर्धारित समय का छोटा ब्रेक देने और तौर-तरीकों पर काम करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है।

यह पहल अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के कार्य के घंटे (उद्योग) कन्वेंशन, 1919 के अनुरूप है, जिसे भारत द्वारा अनुमोदित किया गया है।

विभिन्न यूनियन के पदाधिकारियों के अनुसार, आईएलओ के 1919 के सम्मेलन में पहली बार श्रमिकों को ड्यूटी के घंटों के दौरान आराम के अंतराल का अधिकार दिया गया और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लागू किया गया।हालांकि कुछ कारणों से भारतीय रेलवे का रनिंग स्टाफ इससे वंचित रह गया।

पहली बार 2009 में उठा था मुद्दा

भारतीय रेलवे लोको रनिंगमैन संगठन (IRLRO) ने पहली बार 2009 में इस मुद्दे को उठाया था और तब से, इसने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, अधीनस्थ विधान पर संसदीय समिति और श्रम पर संसदीय समिति सहित विभिन्न मंचों पर कई अभ्यावेदन दिए हैं।

IRLRO के कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांधी ने कहा कि 2018 में पहली बार, श्रम मंत्रालय ने इस मुद्दे को संबोधित करने का फैसला किया जब यह पता चला कि महिला लोको पायलट सबसे बुरी तरह प्रभावित थीं और उनकी कामकाजी स्थिति दयनीय थी और आखिरकार, 2024 में, समिति का गठन किया गया है।

18 अप्रैल को मुख्य श्रम आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी एक कार्यालय ज्ञापन (ओएम) के अनुसार, 13 सदस्यीय समिति के अध्यक्ष मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय) हैं।

इसके अलावा, रेलवे बोर्ड से पांच सदस्य और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से एक (नामांकित) सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि छह अन्य सदस्य विभिन्न श्रमिक संघों से हैं।

श्रमिक संघों की एकमात्र महिला सदस्य, वरिष्ठ सहायक लोको पायलट आशिमा सचदेवा ने कहा कि महिला लोको पायलटों को ड्यूटी पर कठिन समय बिताना पड़ता है क्योंकि महिलाओं से संबंधित कई मुद्दे होते हैं, जैसे मासिक धर्म पैड बदलने में असमर्थता क्योंकि शौचालय नहीं है। इंजन में और सी-सेक्शन डिलीवरी के बाद भारी काम करते हुए हम अपने मुद्दों को उचित तरीके से संबोधित करने के लिए समिति के सामने पेश करेंगे।

25 अप्रैल को हुई थी पहली बैठक

समिति की पहली बैठक 25 अप्रैल को हुई थी और इसे संतोषजनक बताया गया था। ओएम के अनुसार, समिति रेलवे अधिनियम, 1989 और रेलवे कर्मचारियों (काम के घंटे) में संशोधन के सुझावों के साथ-साथ ट्रेन चालकों के लिए ड्यूटी पर रहते हुए भोजन और शौच के लिए परिभाषित समय अंतराल' के कार्यान्वयन (काम और आराम की अवधि) नियम, 2005 पर काम करेगी।

समिति सभी हितधारकों, रेलवे प्रशासन, आईआरएलआरओ आदि के विचारों और टिप्पणियों को रिकॉर्ड पर लेकर इसके तौर-तरीकों पर चर्चा करेगी और निर्णय लेगी। यह इस मुद्दे पर मान्यता प्राप्त महासंघ की टिप्पणियों की भी जांच करेगा। पैनल के संदर्भ की शर्तों में से एक में कहा गया है कि समिति 12 महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

बीते वित्त वर्ष में 2.44 प्रतिशत बढ़ी पारंपरिक ईंधन से बिजली उत्पादन क्षमता

भारत की जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता मार्च 2023 में 237.27 गीगावॉट से 2.44 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 243.22 गीगावॉट हो गई। वहीं आंकड़ों से पता चला है कि गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता (नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत) में 10.79 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो 2023-24 में 190.57 गीगावाट (जीडब्ल्यू) है जो 2022-23 में 172.01 गीगावॉट है।

नई दिल्ली। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश की जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता मार्च 2023 में 237.27 गीगावॉट से 2.44 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 243.22 गीगावॉट हो गई। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता (नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत) में 10.79 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2023-24 में 190.57 गीगावाट (जीडब्ल्यू) है, जो 2022-23 में 172.01 गीगावॉट है।

जीवाश्म ईंधन से बिजली उत्पादन में बढ़ोतरी

जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता में कोयला, लिग्नाइट, गैस और डीजल स्रोतों के माध्यम से बिजली उत्पादन शामिल है, गैर-जीवाश्म ईंधन में सौर, पवन और जल विद्युत से उत्पन्न बिजली शामिल है। पिछले वित्तीय वर्ष में परमाणु ऊर्जा क्षमता वृद्धि 6.78 गीगावॉट से बढ़कर 8.18 गीगावॉट हो गई, जो साल-दर-साल 20.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करती है।

आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2014 में, भारत की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 416.06 गीगावॉट से 6.22 प्रतिशत बढ़कर 441.97 गीगावॉट हो गई।

कोयला आधारित क्षमता पिछले वित्तीय वर्ष में 205.24 गीगावॉट से लगभग 3 प्रतिशत बढ़कर 210.97 गीगावॉट हो गई, और वित्त वर्ष 23 में गैस क्षमता 24.82 गीगावॉट से मामूली बढ़कर 25.04 गीगावॉट हो गई। FY24 में लिग्नाइट- और डीजल-आधारित क्षमता क्रमशः 6.62 GW और 0.59 GW थी।

दो लोगों ने रखी थी नींव, आज इतने लोग संभालते हैं कारोबार; बंटवारे के बाद किसे क्या मिलेगा

देश के सबसे पुराने व्यापारिक घरानों में से एक गोदरेज ग्रुप (Godrej Group) इन दिनों चर्चा में है। दरअसल गोदरेज ग्रुप के बंटवारे को परिवार के सदस्यों ने मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के बाद अब गोदरेज ग्रुप को दो वर्गों में बंट जाएगा। बता दें कि गोदरेज ग्रुप 127 साल पुराना है। चलिए जानते हैं कि गोदरेज का परिवार कितना बड़ा है।

नई दिल्ली। हमने या तो पोस्टर-विज्ञापन में या फिर घर में गोदरेज का लोगो देखा होगा। गोदरेज काफी पुराना ब्रांड है। आज के समय में यह कंपनी भारत के साथ विदेश में भी व्यापार करता है। यह देश की आजादी से पहले का कारोबारी घराना है। गोदरेज ग्रुप (Godrej Group) की स्थापना 127 साल पहले हुई थी।

वर्तमान में गोदरेज ग्रुप की वैल्यू 2.34 लाख करोड़ रुपये है। गोदरेज ग्रुप अभी चर्चा में है। दरअसल, ग्रुप को दो वर्गों में बांटा जाएगा। इस बंटवारे को गोदरेज परिवार (Godrej Family) ने मंजूरी दे दी है। आज हम आपको बताएंगे कि गोदरेज परिवार कितना बड़ा है और इस बंटवारे के बाद परिवार के किस सदस्य को कौन-सी कंपनी और जिम्मेदारी मिली है।

गोदरेज परिवार में कितने सदस्य हैं?

गोदरेज ग्रुप की शुरुआत वर्ष 1897 में हुई थी। इस ग्रुप की स्थापना अर्देशिर गोदरेज और उनके भाई पिरोजशाह ने मिलकर की थी। इसके बाद ग्रुप की बागडोर पिरोजशाह के बच्चों सोहरब, दोसा, बुरजोर और नवल ने संभाली। बता दें कि अर्देशिर गोदरेज के बच्चे नहीं थे।

पिरोजशाह के बच्चों के बाद ग्रुप की जिम्मेदारी बुरजोर के बेटे आदि और नादिर गोदरेज, नवल के बच्चे जमशेद और स्मिता के साथ दोसा के बेटे रिशद ने संभाली। अब इन्हीं पांच लोगों ने गोदरेज ग्रुप के बंटवारे को मंजूरी दी है।

किसके पास कौन-सी कंपनी?

ग्रुप के बंटवारे को लेकर इन पांचों के बीच समझौता हुआ है। शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों की जिम्मेदारी 82 साल के आदि गोदरेज और उनके भाई 73 साल के नादिर गोदरेज मिली है। वहीं, जमशेद और बहन स्मिता को नॉन लिस्टेड कंपनियों की जिम्मेदारी मिली है। इसके साथ उन्हें लैंड बैंक भी दिया गया है। गोदरेज ग्रुप के पास मुंबई में 3400 एकड़ का लैंड बैंक है।

किसके पास कौन-सी जिम्मेदारी?

- गोदरेज ग्रुप के चेयरमैन आदि गोदरेज हैं।
- नादिर गोदरेज गोदरेज इंडस्ट्रीज और गोदरेज एग्रोवेट के अध्यक्ष हैं।
- गोदरेज एंड बॉयस में जमशेद की हिस्सेदारी है।
- रिपोर्ट्स के अनुसार रिशद की कंपनी में कोई औपचारिक जिम्मेदारी नहीं है।

गोदरेज फैमिली की आने वाली पीढ़ी में कौन-कौन है?

- आदि गोदरेज की दो बेटी तान्या, निसबा के साथ उनका बेटा पिरोजशाह हैं।
- नादिर गोदरेज के बेटे सोहरब, बुरजिस और होरमजद है।
- जमशेद गोदरेज के दो बच्चे रैका और नवरोज हैं।
- वहीं स्मिता की बेटी फ्रेयान और नायरिका हैं।
- रिशद गोदरेज ने शादी नहीं की है।

गोदरेज ग्रुप का करोबार कितना बड़ा है?

गोदरेज ग्रुप की शुरुआत ताले बनाने से हुई थी। इसके बाद कंपनी ने स्वदेशी आंदोलन से प्रेरणा लेकर दुनिया का पहला वेजिटेबल ऑयल वाला साबुन बनाया था। इसके बाद धीरे-धीरे कंपनी ने अपना विस्तार किया। वर्तमान में कंपनी का बिजनेस 90 से ज्यादा देशों में फैला है।

गोदरेज ग्रुप का बिजनेस एग्रीकल्चर, रियल एस्टेट, अंतरिक्ष से लेकर कंज्यूमर सेक्टर तक फैला हुआ है। इस समूह की मुख्य कंपनियों में गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, गोदरेज इंजीनियरिंग, गोदरेज रियल एस्टेट, एयरोस्पेस, सिक्योरिटी सॉल्यूशन, अप्लायंसेस और एग्री प्रोडक्ट्स शामिल है।

गोदरेज ग्रुप की पांच कंपनियां - गोदरेज इंडस्ट्रीज (Godrej Industries), गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (Godrej Consumer Products), गोदरेज प्रॉपर्टीज (Godrej Properties), गोदरेज एग्रोवेट (Godrej Agrovet) और एस्टेक लाइफ साइंसेज (Astech Life Sciences) शेयर बाजार में सूचीबद्ध है।

देश के सबसे महंगे शेयर वाली कंपनी देगी अब तक सबसे बड़ा डिविडेंड, जानें कैसा रहा रिजल्ट

देश के सबसे महंगे शेयर वाली टायर मेकर MRF ने शुक्रवार को अपने तिमाही नतीजे जारी किए। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में कंपनी के कंसालिटेडेट नेट प्रॉफिट में 396 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। इससे एक साल पहले कंपनी का मुनाफा 341 करोड़ रुपये रहा था। MRF का ऑपरेशन से रेवेन्यू भी 6349 करोड़ रुपये हो गया जो इससे पहले के वित्त वर्ष में 5842 करोड़ रुपये था।

नई दिल्ली। देश के सबसे महंगे शेयर वाली टायर मेकर MRF ने शुक्रवार को अपने तिमाही नतीजे जारी किए। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में कंपनी के कंसालिटेडेट नेट प्रॉफिट में 396 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। इससे एक साल पहले कंपनी का मुनाफा 341 करोड़ रुपये रहा था। MRF का ऑपरेशन से रेवेन्यू भी 6,349 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पहले के वित्त वर्ष में 5,842 करोड़ रुपये था।

अगर पूरे वित्त वर्ष 2023-24 की बात करें, तो MRF का नेट प्रॉफिट 2,081 करोड़ रुपये रहा। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 769 करोड़ रुपये था। वहीं, ऑपरेशन से रेवेन्यू बढ़कर 25,169 करोड़ रुपये हो गया। यह एक साल पहले 23,008 करोड़ रुपये था। कंपनी के बोर्ड ने फाइनेंशियल ईयर 2024 के लिए प्रति शेयर 194 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने का एलान किया है।

इससे पहले दो बार MRF ने प्रति शेयर तीन-तीन रुपये के डिविडेंड की घोषणा की थी। इसे लेकर कंपनी का सोशल मीडिया पर काफी मजाक भी बना। लोगों ने खूब मीम भी बनाए कि देश की सबसे महंगे शेयर वाली कंपनी सिर्फ तीन रुपये का डिविडेंड बांट रही है। अब 194 रुपये के फाइनल डिविडेंड और तीन-तीन रुपये के दो अंतरिम डिविडेंड को मिलाकर MRF कुल वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल 200 रुपये का डिविडेंड दे रही है।

MRF के शेयरों का हाल

MRF की पहचान देश के सबसे महंगे शेयर वाली कंपनी के तौर पर है। इसके शेयर कई बार निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दे चुके हैं। हालांकि, शुक्रवार (3 मई) को शेयर मार्केट में आई सुनामी से MRF के शेयर भी नहीं बच सके। ये 4.05 फीसदी की गिरावट के साथ 1,28,499.65 रुपये पर बंद हुए।

इन वजहों से शेयर मार्केट में अचानक आई सुनामी, निवेशकों के 3 लाख करोड़ रुपये खाक

आज हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार ने शानदार तेजी के साथ शुरुआत की। लेकिन दोपहर बाद मार्केट ने एकाएक करवट बदली और इसमें भारी गिरावट आई। एक वक्त तो सेंसेक्स 1400 अंकों तक लुढ़क गया था। इससे निवेशकों के करीब 3 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए।

नई दिल्ली। आज हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार ने शानदार तेजी के साथ शुरुआत की। लेकिन, दोपहर बाद मार्केट ने एकाएक करवट बदली और इसमें भारी गिरावट आई। एक वक्त तो सेंसेक्स 1,400 अंकों तक लुढ़क गया था। इससे निवेशकों के करीब 3 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए।

आइए जानते हैं कि शेयर मार्केट में इतनी बड़ी गिरावट किस वजह से आई।

- शेयर मार्केट में गिरावट की सबसे बड़ी वजह मुनाफावसूली रही, क्योंकि आज हफ्ते का आखिरी कारोबारी दिन था। कई दिग्गज शेयरों में निवेशकों ने जमकर बिकवाली की। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, HDFC बैंक और कई आईटी स्टॉक्स शामिल हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज में 2.60 प्रतिशत और HDFC बैंक में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।
- विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक दिन पहले गुरुवार को 964 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इससे देशी निवेशकों का भी बाजार पर डगमगाया और उन्होंने भी बिकवाली शुरू कर दिया। अधिकतर निवेशकों ने आज मार्केट में पैसा लगाने से ज्यादा पैसा निकालने पर दिया। इनमें बड़े संस्थागत निवेशकों के साथ खुदरा निवेशक भी शामिल हैं।
- आज शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग की एक्सपायरी भी थी। ब्रोकरेज फर्म जेरोधा के फाउंडर नितिन कामत ने पिछले दिनों एक्सपायरी के दिन शेयर बाजार में तेज उतार-चढ़ाव पर चिंता जताई थी। उन्होंने यहां तक कहा था कि मौजूदा माहौल में अच्छा तो लगता है कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में ट्रेडिंग ही बंद कर दी जाए।

बड़ी कंपनियों के शेयर धड़ाम

शेयर बाजार में हैवीवेट शेयरों में भारी गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर करीब 3 फीसदी तक फिसल गए। वहीं, HDFC बैंक का शेयर भी एक फीसदी से ज्यादा गिरा है। भारती एयरटेल का स्टॉक 3 फीसदी से ज्यादा लुढ़का है। वहीं नेस्ले इंडिया और मारुति के शेयर में 2.30 फीसदी की गिरावट आई है। साथ ही, आईटी शेयर तेजी से फिसले हैं।

निवेशकों को भारी नुकसान

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर सभी लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन करीब 3 लाख करोड़ रुपये घटकर 405.83 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसका मतलब है कि निवेशकों के करीब तीन लाख करोड़ रुपये डूब गए।

जल्दबाजी में न फाइल करें ITR! इन बातों का रखें ध्यान, नहीं तो आ सकता है इनकम टैक्स का नोटिस

इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए पहले फॉर्म-16 डाउनलोड करें। इससे आपको अपनी सैलरी पर लगने वाले टैक्स समेत कई जानकारियां मिल जाएंगी। साथ ही आपको सभी डिटेल का बारीकी से मिलान भी करना चाहिए। अपनी आमदनी के सभी स्रोत के बारे में भी बताना चाहिए। अगर आप कोई भी जानकारी छिपाते हैं तो आपके पास इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का नोटिस आ सकता है।

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 का एक महीना गुजरने के बाद इनकम टैक्स रिटर्न (Income Tax Return- ITR) फाइल करने में भी तेजी आ रही है। आपकी तकनीकी सहूलियत के चलते बहुत से लोग अपना इनकम टैक्स रिटर्न खुद ही फाइल करने लगे हैं। ऐसे में जल्दबाजी में कुछ लोग गलतियां भी कर देते हैं, जिससे बाद में उनके पास इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का नोटिस आ जाता है।

यहां हम बता रहे हैं कि ITR फाइल करते वक्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि आप इनकम टैक्स विभाग के नोटिस और जुर्माने से बच सकें।

फॉर्म-16 या 16ए डाउनलोड करें

ITR फाइल करने के लिए फॉर्म-16 की जरूरत होती है। आप अपनी कंपनी से बात करके फॉर्म-16 ले सकते हैं। इसमें आपके वेतन पर लगे टैक्स की भी जानकारी होती है। सैलरी ब्रेकअप भी होता है। अगर इसमें HRA (हाउसिंग रेंट अलाउंस) ना हो, तो उसे ITR फाइल करते वक्त भी दे सकते हैं।

सारी डिटेल डिटेल चेक करें

अपना रिटर्न फाइल करने से पहले 26एएस फॉर्म जरूर चेक कर लें। इसमें आपकी टैक्स डिटेल होती है। इसे एक बार क्रॉस-चेक जरूर करें कि सारी जानकारी सही है या नहीं। इससे आपको समय रहते किसी गड़बड़ी को ठीक करने का मौका मिल जाएगा। हालांकि, इसमें 7-10 दिन का समय लग सकता है, तो उसी हिसाब से अपनी प्लानिंग करें।

26एएस का AIS से करें मिलान

फॉर्म 26एएस चेक करने एनुअल इनफॉर्मेशन स्टेटमेंट (AIS) फॉर्म के साथ इसका मिलान जरूर करें। AIS में आपकी सैलरी, रेंट और ब्याज से कमाई की पूरी डिटेल होती है। अगर आपको लगता है कि कोई जानकारी मिसिंग है, तो उसे ITR दाखिल करते समय बता देना चाहिए।

ब्याज की भी पूरी जानकारी दें

बहुत से टैक्सपेयर दूसरे स्रोतों से हुई कमाई की जानकारी देने से बचते हैं। इसमें ब्याज से मिली रकम भी शामिल है। लेकिन, मुसीबत को दावत देने वाली बात हो सकती है। आपको आईटीआर में अपनी आमदनी का सभी जरिया बता देना चाहिए। इससे आपको बाद में इनकम टैक्स का नोटिस नहीं आएगा, क्योंकि विभाग के पास आपके ट्रांजेक्शन की जानकारी होती है।

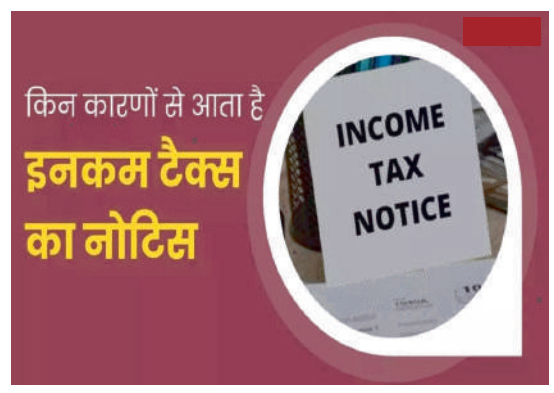

हनुमान जी की पूजा का विग्रह अनुसार फल

उत्तर दिशा की तरफ मुख वाले हनुमान जी की पूजा शूकर के रूप में होती है। एक बात और वह यह कि उत्तर दिशा यानी ईशान कोण देवताओं की दिशा होती है। यानी शुभ और मंगलकारी। इस दिशा में स्थापित बजरंगबली की पूजा से इंसान की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। इस ओर मुख किए भगवान की पूजा आपको धन-दौलत, ऐश्वर्य, प्रतिष्ठा, लंबी आयु के साथ ही रोग मुक्त बनाती है।

श्रीहनुमते नमः ।। भादौं में सिंदूर से, हनुमत का अभिषेक। प्रेम भाव से जो करै, पावै बुद्धि विवेक।।

1. पूर्वमुखी हुनमान- पूर्व की तरफ मुख वाले बजरंबली को वानर रूप में पूजा जाता है। इस रूप में भगवान को बेहद शक्तिशाली और करोड़ों सूर्य के तेज के समान बताया गया है। शत्रुओं के नाश के बजरंगबली जाने जाते हैं। दुश्मन अगर आप पर हावी हो रहे तो पूर्वमूखी हनुमान की पूजा शुरू कर दें।

2. पश्चिममुखी हनुमान- पश्चिम की तरफ मुख वाले हनुमानजी को गरूड़ का रूप माना जाता है। इसी रूप संकटमोचन का स्वरूप माना गया है। मान्यता है कि भगवान विष्णु का वाहन गरुड़ अमर है उसी के समान बजरंगबली भी अमर हैं। यही कारण है कि कलयुग के जाग्रत देवताओं में बजरंगबली को माना जाता है।

3. उत्तरामुखी हनुमान - उत्तर दिशा की तरफ मुख वाले हनुमान जी की पूजा शूकर के रूप में होती है। एक बात और वह यह कि उत्तर दिशा यानी ईशान कोण देवताओं की दिशा होती है। यानी शुभ और मंगलकारी। इस दिशा में स्थापित बजरंगबली की पूजा से इंसान की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। इस ओर मुख किए भगवान की पूजा आपको धन-दौलत, ऐश्वर्य, प्रतिष्ठा, लंबी आयु के साथ ही रोग मुक्त बनाती है।

4. दक्षिणामुखी हनुमान- दक्षिण मुखी हनुमान जी को भगवान नृसिंह का रूप माना जाता है। दक्षिण दिशा यमराज की होती है और इस दिशा में हनुमान जी की पूजा से इंसान के डर, चिंता और दिक्कतों से मुक्ति मिलती है। दक्षिणमुखी हनुमान जी बुरी शक्तियों से बचाते हैं।

5. ऊर्ध्वमुख- इस ओर मुख किए हनुमान जी को ऊर्ध्वमुख रूप यानी घोड़े का रूप माना गया है। इस स्वरूप की पूजाकरने वालों को दुश्मनों और संकटों से मुक्ति मिलती है। इस स्वरूप को भगवान ने ब्रह्माजी के कहने पर धारण कर हयग्रीवदैत्य का संहार किया था।

6. पंचमुखी हनुमान- पंचमुखी हनुमान के पांच रूपों की पूजा की जाती है। इसमें हर मुख अलग-अलग शक्तियों का परिचायक है। रावण ने जब छल से राम लक्ष्मण बंधक बना लिया था तो हनुमान जी ने पंचमुखी हनुमान का रूप धारण कर अहिरावण से उन्हें मुक्त कराया था। पांच दीये एक साथ बुझाने पर ही श्रीराम-लक्षमण मुक्त हो सकते थे इसलिए भगवान ने पंचमुखी रूप धारण किया था। उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह मुख, पश्चिम में गरुड़ मुख, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख एवं पूर्व दिशा में हनुमान मुख में वह विराजे हैं।

7. एकादशी हनुमान- यह रूप भगवान शिव का स्वरूप भी माना जाता है। एकादशी रूप रुद्र यानी शिव का ग्यारहवां अवतार है। ग्यारह मुख वाले कालकारमुख के राक्षस का वध करने के लिए भगवान ने एकादश मुख का रुप धारण किया था। चैत्र पूर्णिमा यानी हनमान जयंती के दिन उस राक्षस का वध किया था। यही कारण है कि भक्तों को एकादशी और पंचमुखी हनुमान जी पूजा सारे ही भगवानों की उपासना समना माना जाता है।

8. वीर हनुमान- हनुमान जी के इस स्वरूप की पूजा भक्त साहस और आत्मविश्वास पाने के लिए करते हें। इस रूप के जरिये भगवान के बल, साहस, पराक्रम को जाना जाता है। अर्थात तो भगवान श्रीराम के काज को संवार सकता है वह अपने भक्तों के काज और कष्ट क्षण में दूर कर देते हैं।

9. भक्त हनुमान- भगवान का यह स्वरूप में श्रीरामभक्त का है। इनकी पूजा करने से आपको भगवान श्रीराम का भी आर्शीवद मिलता है। बजरंगबली की पूजा अड़चनों को दूर करने वाली होती है। इस पूजा से भक्तों में एग्राता और भक्ति की भावना जागृत होती है।

10. दास हनुमान- बजरंबली का यह स्वरूप श्रीराम के प्रति उनकी अनन्य भक्ति को दिखाता है। इस स्वरूप की पूजाकरने वाले भक्तों को धर्म कार्य और रिश्ते-नाते निभाने में निपुणता हासिल होती है। सेवा और समर्णण का भाव भक्त इस स्वरूप के जरिये ही पाते हैं।

11. सूर्यमुखी हनुमान- यह स्वरूप भगवान सूर्य का माना गया है। सूर्य देव बजरंगबली के गुरु माने गए हैं। इस स्वरूप की पूजा से ज्ञान, प्रतिष्ठा, प्रसिद्धि और उन्नति का रास्ता खोलता है। क्योंकि श्रीहनुमान के गुरु सूर्य देव अपनी इन्हीं शक्तियों के लिए जाने जाते हैं।

4 मई शनिवार वरूथिनी एकादशी, जानिए महत्व, पूजा, विधि और कथा

वरुथिनी एकादशी व्रत 2024 एकादशी तिथि सृष्टि के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु को समर्पित है। शास्त्रों में वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। वैशाख माह और एकादशी तिथि दोनों ही भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय हैं, इसलिए भी इस एकादशी का और भी महत्व बढ़ जाता है। इस बार यह पुण्यदायी एकादशी 04 मई को है। इस दिन साधक जीवन में सुख और शांति के लिए भगवान विष्णु के संग मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं और व्रत भी रखते हैं। मान्यता है कि एकादशी के दिन ऐसा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

वरुथिनी एकादशी व्रत का महत्व पदम पुराण के अनुसार वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से मनुष्य सब पापों से मुक्त होकर विष्णुलोक में प्रतिष्ठित होता है। मान्यता है कि जितना पुण्य कन्यादान और अनेक वर्षों तक तप करने पर मिलता है, उतना ही पुण्य वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से मिलता है। मनुष्य वरूथनी एकादशी का व्रत करके साधक विद्यादान का फल भी प्राप्त कर लेता है। यह एकादशी सौभाग्य देने वाली, सब पापों को नष्ट करने वाली तथा अंत में मोक्ष देने वाली है एवं दरिद्रता का नाश करने वाली और कष्टों से मुक्ति दिलाने वाली भी मानी गई है।

वरुथनी एकादशी पूजा विधि इस दिन शंख, चक्र, कमल, गदा एवं पीताम्बरधारी भगवान विष्णु की रोली, मोली, पीले चन्दन, अक्षत, पीले पुष्प, ऋतुफल, मिष्ठान आदि अर्पित कर धूप-दीप से आरती उतारकर दीप दान करना चाहिए और साथ ही यथाशक्ति श्री विष्णु के मंत्र 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' का जाप करते रहना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना बहुत फलदायी है। भक्तों को परनिंदा, छल-कपट, लालच, द्वेष की भावनाओं से दूर रहकर, श्री नारायण को ध्यान में रखते हुए भक्तिभाव से उनका भजन करना चाहिए। द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाने के बाद स्वयं भोजन करें।

वरुथनी एकादशी पौराणिक कथा कथा के अनुसार, प्राचीन समय में नर्मदा नदी के तट पर मान्धाता नाम के तपस्वी राजा राज्य करते थे। एक बार राजा जब तपस्या कर रहे थे तभी वहां एक जंगली भालू आया और राजा का पैर चबाने लगा, लेकिन राजा तपस्या में लीन थे। भालू राजा को घसीट कर जंगल में ले गया। भालू को देख राजा बहुत डर गए। इस दौरान उन्होंने भगवान विष्णु से जीवन की रक्षा के लिए प्रार्थना की। उसकी पुकार सुन प्रभु वहां प्रकट हुए और भालू को मारकर राजा के प्राण बचाए। तब तक भालू ने राजा का पैर खा लिया था। इसकी वजह वह बेहद दुखी था। राजा को इस परिस्थिति में देख भगवान विष्णु ने उसको एक उपाय बताया। प्रभु ने राजा को वरूथिनी एकादशी करने के लिए कहा। राजा ने प्रभु की बात को मानकर वरूथिनी एकादशी व्रत किया और उसने वराह अवतार मूर्ति की पूजा की। इसके बाद इस व्रत के प्रभाव से राजा फिर से सुंदर शरीर वाला हो गया। मृत्यु के पश्चात राजा को भगवान-विष्णु के धाम, वैकुण्ठ लोक की प्राप्ति हुई।

अंतरिक्ष से संदेश भेज रहा हैं साइकी अंतरिक्ष यान?

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ब्रह्मांड रहस्यों से भरा हुआ है। वैज्ञानिक इन रहस्यों को जानने के लिए सालों से शोध कर रहे हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने के लिए बीते साल एक मिशन लॉन्च किया था। नासा साइकी नाम के एस्टरॉयड के बारे में जानकारी हासिल करना चाहता है। इसके लिए उसने अक्तूबर 2023 में साइकी अंतरिक्ष यान लॉन्च किया था। अब इस अंतरिक्ष यान ने अपना काम करना शुरू कर दिया है। सुदूर अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद साइकी सिग्नल भेज रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि धरती पर अंतरिक्ष से रहस्यमयी सिग्नल आया है। उन्होंने खुलासा किया कि यह सिग्नल अंतरिक्ष से करीब 140 मिलियन मील यानी 22 करोड़ किमी दूर से आया है। वैज्ञानिकों को पहले लगा यह रहस्यमयी संदेश एलियन भेज रहे हैं, लेकिन अध्ययन में खुलासा हुआ कि अंतरिक्ष यान साइकी ने इस संदेश को भेजा है। धरती पर इस संदेश के आने के बाद वैज्ञानिक तेजी से शोध कर रहे हैं। अब इससे नए खुलासे होंगे। साइकी अंतरिक्ष यान में डीप स्पेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशंस सिस्टम लगाया गया है। इसका मकसद अंतरिक्ष में लंबी दूरी पर लेजर कम्युनिकेशन को संभव करना है। बताया जाता है कि यह सिस्टम मौजूदा सिस्टमों की तुलना में काफी तेज है। इसने करीब 22 करोड़ किमी दूरी से संदेश भेजकर यह साबित किया है। लेजर कम्युनिकेशन डेमो ने साइकी अंतरिक्ष यान के रेडियो फ्रीक्वेंसी ट्रांसमीटर के साथ इंटरफेस किया। फिर इसके बाद उसने 22 करोड़ किमी की दूरी से सफलतापूर्वक इंजीनियरिंग डेटा को भेजा। नासा के मुताबिक, यह धरती और सूर्य के बीच की दूरी का डेढ़ गुना है। नासा ने बताया कि यह सिस्टम मौजूदा स्पेस कम्युनिकेशन सिस्टमों से 10 से 100 गुना तक तेज स्पीड से संदेश भेज सकता है।

खजाना से भरा है साइकी साइकी एस्टरॉयड की खासियत जानकर आप हैरत में पड़े जाएंगे। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस पर लोहा, निकल और सोना मौजूद हो सकता है। उन्होंने इस मौजूद खजाने की कीमत 10,000 क्वाड्रिलियन बताया है। साइकी के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए नासा ने साइकी मिशन को लॉन्च किया है।

पेड़ों में लगी आग डीटीसी क्लस्टर डीपो की पिछली दीवार तक पहुंची, काबू पाने की कोशिश में दमकलकर्मी

राजघाट डीटीसी क्लस्टर डीपो की पिछली दीवार तक आग पहुंच गई है। दिल्ली के महात्मा गांधी आउटर रिंग रोड के पास पेड़ों में आग लगी है। दमकलकर्मी मौके पर मौजूद हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश में लगे हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली के महात्मा गांधी आउटर रिंग रोड के पास पेड़ों आग लगी है। जिसकी वजह से चारों तरफ धुआं ही धुआं फैल गया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं और आग पर काबू पाने का काम किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, राजघाट डीटीसी क्लस्टर डीपो की पिछली दीवार तक आग पहुंच गई है। दिल्ली के महात्मा गांधी आउटर रिंग रोड के पास पेड़ों में आग लगी है।

एकेले नामांकन पत्र जमा किया बराबाटी-कटक कोंग्रेस पार्थी, और कहा, 45 डीग्री धुप मे लोगों को एकत्र करके रैली नहीं करना चाहिए : सोफिया फिरदोस

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर: बारबाटी-कटक सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सोफिया फिरदोस ने आज नामांकन दाखिल कर दिया है। मुहम्मद मोकीम के अदालती संकट में फंसने के कारण कांग्रेस ने उनकी बेटी सोफिया फिरदोस को उम्मीदवार बनाया है। आज उन्होंने कटक उप जिला कलेक्टर के कार्यालय में अपना नामांकन पत्र जमा कर दिया है। सबसे खास बात यह है कि सोफिया ने बिना किसी संदेह के जिला कलेक्टर के कार्यालय में पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया है।जहाँ तक सोफिया की बातें सत्य हैं, 45 डीग्री धुप मे लोगों को एकत्र करके रैली नहीं करनी चाहिए। हम रैलियां बुलाकर लोगों को परेशान नहीं करना चाहते। इसलिए मैं अपने पिता के साथ नामांकन दाखिल कर रहा हूं। सोफिया ने यह भी कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं, मैं पहले से ही अपने पिता के लिए प्रचार कर रही थी। अब पिताजी मेरे लिये प्रचार करेंगे। हम हमेशा साथ हैं। कांग्रेस से उम्मीदवार बनने के बाद पिछले 7 से 8 दिनों में मुझे कटक की जनता से बहुत प्यार और सम्मान मिला है। कटक के लोग मुझे ऐसे ही प्यार और सम्मान देते रहें।

दूसरी ओर, सोफिया के अलावा, कई उम्मीदवारों ने आज कटक में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। बीजेपी सांसद उम्मीदवार भर्तृहरि महताब, बीजेएम सांसद उम्मीदवार संध्राप्त मिश्रा, चौद्वार-कटक सीट से बीजेएम उम्मीदवार शौविक बिस्वाल, बीजेपी उम्मीदवार नयन मोहंती, कटक-सदर से बीजेपी उम्मीदवार प्रकाश सेठी, कटक-सदर से बीजेएम उम्मीदवार चंद्रसारथी बेहरा के साथ-साथ कुछ स्वतंत्र उम्मीदवार भी ने आज अपना नामांकन दाखिल किया। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि बारबती-कटक से टिकट की उम्मीद कर रहीं बीजेपी महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष स्मृति पटनायक स्वतंत्र रूप से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत; एक शव को रात भर कुचलते रहे वाहन

पहला हादसा नेशनल हाईवे-9 पर रसूलपुर बहलोलपुर फ्लाईओवर के पास हुआ, जबकि दूसरा स्याना रोड पर दयानतपुर गांव के पास हुआ है।

हापुड़ के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा नेशनल हाईवे-9 पर रसूलपुर बहलोलपुर फ्लाईओवर के पास हुआ, जबकि दूसरा स्याना रोड पर दयानतपुर गांव के पास हुआ है।

जनपद मेरठ के थाना लोहियानगर के गांव ज़ाहिदपुर निवासी आशीष (26) पुत्र बॉबी नगर निगम में चालक के पद पर कार्यरत था। वह गुरुवार को बुलंदशहर जनपद के गांव सठला में अपने ननिहाल गया था। रात को करीब 11 बजे वह बाइक से घर वापस आने के लिए निकला था। देर रात को वह जब बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के दयानतपुर के पास बने गन्ना सेंटर के पास पहुंचा तो उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन टक्कर मारकर फरार हो गया और वह सड़क किनारे झाड़ियो में गिर गया। सुबह करीब छह बजे के आसपास जब किसान खेतों में पहुंचे तो उन्होंने वहां क्षतिग्रस्त बाइक पड़ी देखी और पास की झाड़ियों में युवक का शव पड़ा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी।

नेशनल हाईवे-09 पर अज्ञात की दर्दनाक मौत

दूसरी घटना में नेशनल हाईवे-09 नए बाईपास पर रसूलपुर बहलोलपुर के फ्लाईओवर के पास देर रात किसी अज्ञात वाहन ने शख्स को टक्कर मार दी। शव के ऊपर से पूरी रात वाहन गुजरते रहे, जिससे शव के चीथड़े उड़ गए। सुबह शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस दोनों मामलों की जांच में जुटी थी।

जिला कलक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ढिकोला का किया आकस्मिक निरीक्षण

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। जिलेवासियो को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने तथा मरिजो के रोग की जाँच व उपचार में किसी भी प्रकार की देरी ना होने देने के उद्देश्य से जिला कलक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को ढिकोला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत ने चिकित्सालय में व्यस्थित स्वच्छता सुनिश्चित करने के दिशा निर्देश दिये तथा सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने अस्पताल में ओपीडी, चिकित्सकों की उपलब्धता, अस्पताल में की जा रही जांचों, दवाओं की उपलब्धता सहित अन्य चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने अस्पताल में मरीजों से चिकित्सा सुविधाओं का फीडबैक भी लिया।

ज़िला कलेक्टर ने डीटीओ कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

विजिट के दौरान ज़िला कलेक्टर शेखावत ने ज़िले के डीटीओ कार्यालय का भी निरीक्षण किया ।शेखावत ने डीटीओ कार्यालय में निरीक्षण के दौरान राजस्थान लोक सेवा अधिनियम गारंटी अधिनियम 2011 तथा राज० सुनवाई का अधिनियम 2012 के अन्तर्गत प्रकरणों की जाँच कि । ज़िला कलेक्टर द्वारा डीटीओ कार्यालय में राजस्व वसूली की समीक्षा की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023